भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 246 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

# अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज मंगलवार 31 अगस्त 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

## क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए ''क्रियायोग अभ्यास करें'' सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

# एक सितंबर से शुरू होगी पहली से पांचवीं की क्लास

## यूपी के स्कूलों में छोटे बच्चों का माथे पर टीका और चॉकलेट से होगा स्वागत

**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा परिषद के कक्षा एक से पांच तक के स्कूल बुधवार से खुल जायेंगे। इसके लिए सरकारी स्तर पर विशेष तैयारी की जा रही है। स्कूल के गेट पर पहले बच्चों की थर्मल स्कैनिंग होगी फिर माथे पर टीका और चॉकलेट के साथ उनका स्वागत किया जाएगा। करीब डेढ़ साल बाद बच्चे स्कूल आएंगे। पिछले साल मार्च में स्कूल बंद होने के बाद पहली बार छोटे बच्चों के स्कूल एक सितंबर से खुलेंगे।

कई महीनों के बाद स्कूल में कदम रखने वाले बच्चों के स्वागत के लिए स्कूल तैयार है। कोविड प्रोटोकाल का सख्ती से पालन कराने के लिए भी शिक्षकों ने कमर कस ली है। महानिदेशक बेसिक शिक्षा की ओर से सभी बीएसए को निर्देश दिए गए है कि स्कूलों में कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराया जाए।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर कक्षा 6 से 8 तक के स्कूल खुल चुके हैं। एक सितम्बर से कक्षा एक से के विद्यालय भी खुल जाएंगे। प्राथमिक स्कूलों में कोविड प्रोटोकॉल पालन के लिए महानिदेशक बेसिक शिक्षा की ओर से प्रदेश के सभी बीएसए को दिशा निदेर्श जारी कर दिए गए हैं। प्राथमिक स्कूलों में बच्चों का शिक्षण कार्य दो पालियों में होगा। पहली पाली सुबह 8 से 11 बजे तक जबकि दूसरी पाली सुबह 11.30 बजे से शुरू होगी। कक्षाओं में सेनीटाइजर की व्यवस्था की जाएगी।

लखनऊ समेत प्रदेश के कई स्कूलों में बच्चों का स्वागत मिठाई खिलाकर किया जाएगा। प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय धनवासाड़, प्राथमिक विद्यालय बरवरलिया, प्राथमिक विद्यालय गडेरियनपुरवा, प्राथमिक विद्यालय बालखेड़ा, समेत अधिकतर प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों के स्वागत की तैयारी की गई है। फूलों व गुब्बारों से विद्यालय को सजाया जाएगा।

बच्चों का स्वागत टीका व चॉकलेट खिलाकर किया जाएगा। बच्चों की थर्मल स्कैनिंग के बाद उनको स्कूल प्रवेश दिया जाएगा। बच्चों को दो मास्क लेकर आना होगा। मिड डे मील खाने के लिए अपने बर्तन साथ में लाना होंगे ताकि बच्चे एक दूसरे के बर्तनों का प्रयोग न कर सकें। बच्चों को अपनी पानी की बोतल साथ लाना होगी। ऑफलाइन कक्षा के लिए अभिभावकों की अनुमति जरूरी होगी। जो बच्चें ऑफलाइन नहीं पढ़ना चाहते वह ऑनलाइन कक्षा में शामिल हो सकते हैं।

### पूर्व सीएम कल्याण सिंह की तेरहवीं कल

**अलीगढ़ (एजेंसी)।** पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के एक सितंबर को होने वाले तेरहवीं संस्कार की तैयारियां चल रही हैं। 80 हजार लोगों के लिए भोजन तैयार किया जा रहा है। अतरौली के केएमवी इंटर कॉलेज में तेरहवीं होगी। जहां सामान्य व वीवीआईपी के लिए दो पंडाल सजाए गए हैं। 700 से ज्यादा हलवाई व कारीगर प्रसाद तैयार कर रहे हैं। जिसमें राजस्थानी लड्डू से लेकर अन्य व्यंजन शामिल हैं। केएमवी इंटर कॉलेज परिसर में लड्डुओं व रायते के लिए बूंदी छानी जा रही है। इसके साथ ही बेढ़ई खस्ता भी बननी शुरू हो गई है। मौसम के मिजाज को देखते हुए वाटरप्रूफ पंडाल जर्मन हैंगर टेंट लगाया जा रहा है। एक सितंबर को संस्कार सुबह नौ बजे से शुरू होकर रात्रि आठ बजे तक चलेगा। स्थानीय जनता के लिए रामघाट रोड की ओर से प्रवेश रहेगा। यहां छोटे-बड़े चार पंडाल लगाए गए हैं। कॉलेज रोड की ओर से वीवीआईपी के पहुंचने की व्यवस्था है। छोटे मैदान में लगाए जा रहे टेंट में वीवीआईपी अतिथियों के लिए खाना, स्टेज तथा तीन स्विच कॉटेज बनाए गए हैं। तेरहवीं संस्कार में भोजन स्टील के बर्तनों पर होगा।

# नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** महायोगी श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव इस बार दुर्लभ संयोग के बीच हो रहा है। यानि की अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के बीच जयंती योग में कान्हा आज रात 12 बजे जन्म लिया। इसी योग में कान्हा का जन्म द्वापर युग में हुआ था। ऐसा संयोग 27 वर्ष बाद हो रहा है। यही नहीं कान्हा के जन्म के वक्त सर्वार्थ सिद्ध योग तो होगा ही, चन्द्रमा भी वृषभ (उच्च) राशि में होंगे। ज्योतिषाचार्यों ने कान्हा के जन्मोत्सव मानने की विधि बताई है।

हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि मध्यरात्रि को भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है। दीपक ज्योतिष भागवत संस्थान के निदेशक ज्योतिषाचार्य कामेश्वर चतुर्वेदी ने बताया कि द्वापर युग में मथुरा पुरी में कंस के कारागार में भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में उच्च (वृष) राशि के चंद्रमा में भगवान श्री कृष्ण ने निशीथ बेला में रात के 12.00 बजे जन्म लिया था। इस वर्ष जन्माष्टमी रोहिणी नक्षत्र और चंद्रमा वृष राशि में रहते हुए मनाई जाएगी। इसके अलावा जन्माष्टमी पर सर्वार्थ सिद्धि योग एवं जयंती योग भी बन रहा है। मान्यता है कि सर्वार्थ सिद्धि योग में पूजा-पाठ और शुभ कार्य की शुरुआत करना अच्छा होता है। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र और चंद्रमा के वृष राशि में रहते हुआ था। इस तरह का संयोग इस बार भी जन्माष्टमी के दिन बन रहा है।

साहित्याचार्य शरद चतुर्वेदी ने बताया कि इस वर्ष दृश्य गणित एवं प्राचीन गणित के पंचांगों के आधार पर स्मार्त एवं वैष्णव एक साथ 30 अगस्त को श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाएंगे। इसके पहले 5 सितंबर 2015 को एक साथ जन्माष्टमी मनाई गयी थी। ज्योतिषाचार्य पं.अजय कुमार तैलंग ने बताया कि भाद्रपद मास की अष्टमी तिथि 29 अगस्त की रात 11.27 बजे से 30 अगस्त की रात 1.59 बजे तक रहेगी। 30 अगस्त की सुबह 6.38 बजे से 31 अगस्त सुबह 9.43 बजे तक रोहिणी नक्षत्र रहेगा। हरेक साल स्मार्त और वैष्णव की अलग-अलग जन्माष्टमी होती थी, इसका कारण वैष्णव उदया तिथि और स्मार्त वर्तमान तिथि को मानते हैं। इस बार महासंयोग जन्माष्टमी पर है। इस महासंयोग में व्रत करने से मनवांछित फल की प्राप्ति होगी। इस दिन भगवान श्री कृष्ण को प्रसन्न करने के लिए उन्हें भोग लगाएं और आरती करें। उन्होंने बताया कि भगवान को प्रसन्न करने के लिए आप माखन, मिश्री, दही, दूध, केसर, मावे, घी, मिठाई, आदि का भोग लगा सकते हैं।

# राजनाथ सिंह बोले- अफगान की स्थिति भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि अफगानिस्तान में मौजूदा घटनाक्रम ने सुरक्षा के नए सवाल खड़े कर दिए हैं और केंद्र सरकार सतर्क तथा किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी राष्ट्र विरोधी ताकत को अफगानिस्तान के घटनाक्रम का फायदा उठाकर सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। राजनाथ सिंह ने कहा वहां के हालात पर हमारी सरकार लगातार नजर बनाए हुए है। हम प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित देश वापस लाएंगे। इसके अलावा राजनाथ सिंह ने कश्मीर की स्थिति पर बोलते हुए कहा कि कश्मीर में बचा हुआ आतंकवाद भी खत्म होकर रहेगा। वह राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीसरे बलरामजी दास टंडन स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अपने संबोधन में कहा, पड़ोसी देश अफगानिस्तान में जो हो रहा है, उससे सुरक्षा के लिहाज से नए सवाल उठ रहे हैं और हमारी सरकार वहां के घटनाक्रम पर नजर रखे हुए है। सिंह ने कहा, भारतीयों की सुरक्षा के साथ-साथ हमारी सरकार यह भी चाहती है कि देश विरोधी ताकतें वहां के घटनाक्रम का फायदा उठाकर सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा न दें। उन्होंने कहा, हमारी कुछ और चिंताएं हैं जो राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से चुनौती बन सकती हैं। सिंह ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी नीत सरकार पूरी तरह सतर्क है और किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम है।

# फिरोजाबाद में एक हफ्ते स्कूल रहेगा बंद, 41 बच्चों की डेंगू से हो चुकी है मौत

**फिरोजाबाद (एजेंसी)।** यूपी में पहली से पांचवीं तक के स्कूल भी एक सितंबर से खुल रहे हैं। इसकी विशेष तैयारियां की गई हैं। इस बीच कुछ जिलों में डेंगू और वायरल फीवर ने बच्चों पर हमला कर दिया है। अकेले फिरोजाबाद में 20 दिनों में 41 बच्चों की मौत हो चुकी है। इसे देखते हुए फिलहाल फिरोजाबाद में स्कूलों को नहीं खोला जाएगा। पहली से आठवीं तक के स्कूलों को एक सप्ताह के लिए बंद रखने का आदेश जारी कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सोमवार को फिरोजाबाद पहुंचे और बीमार बच्चों का अस्पताल जाकर हाल जानने के साथ ही कई बच्चों के परिजनों से भी मुलाकात की। सीएम योगी के अनुसार 32 बच्चों और 7 वयस्कों की मौत हुई है। उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की मौतों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए रिपोर्ट तलब की है। इसके साथ ही लापरवाही पर जवाबदेही तय करने के साथ कार्रवाई की बात कही है।

सीएम योगी ने अफसरों को निरंतर निरीक्षण करते रहने की हिदायत दी। मेडिकल कॉलेज में बैठक के दौरान अधिकारियों से नाराजगी जताते हुए कहा कि बीमारी के दौरान सर्विलांस ठीक नहीं रहा। उन्होंने गंदगी पर चिंता जताते हुए स्वच्छता अभियान चलाने और रक्तदान शिविर लगाकर जनप्रतिनिधियों से रक्त की कमी पूरी करने में सहयोग लेने को कहा। माना जा रहा है कि सीएम योगी की नाराजगी के बाद ही बच्चों का स्कूल बंद रखने का फैसला लिया गया है। जिला प्रशासन की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि डेंगू के कारण 31 अगस्त से छह सितंबर तक पहली से आठवीं तक के सभी स्कूलों को बंद किया जा रहा है।

### फिरोजाबाद में बच्चों की मौतों पर जवाबदेही तय होगी : योगी आदित्यनाथ

**फिरोजाबाद, मथुरा (एजेंसी)।** सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ब्रज में चार घंटे बिताए। पहले उन्होंने फिरोजाबाद में डेंगू और बुखार से पीड़ित परिवारों से मिलकर हरसंभव मदद का आश्वासन दिया, तो इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की मौतों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए रिपोर्ट तलब की। साथ ही लापरवाही पर जवाबदेही तय करने के साथ कार्रवाई की बात कही। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में मुख्यमंत्री ने ब्रज के विकास का संकल्प दोहराते हुए विपक्ष पर निशाना साधा और कहा- जो पहले मंदिर आने में संकोच करते थे वह कहने लगे हैं कि राम-कृष्ण हमारे हृदय में है।

# लाठीचार्ज से और उग्र हुआ किसान आंदोलन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** हरियाणा में किसानों पर हुए लाठीचार्ज के बाद किसान आंदोलन के नेताओं ने प्रदर्शनों को और और तीव्र करने का आह्वान किया है. सितंबर में उत्तर प्रदेश में विशाल महापंचायतों के आयोजन की तैयारी शुरू कर दी गई है.28 अगस्त को हरियाणा के करनाल में किसानों पर हुए लाठीचार्ज के बाद किसानों में सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ गई है. लाठीचार्ज में कई किसान गंभीर रूप से घायल हो गए थे. किसानों का दावा है कि लाठीचार्ज में घायल हुए एक किसान की मृत्यु हो गई, लेकिन प्रशासन ने इस दावे से इंकार किया है. किसान विशेष रूप से करनाल के एसडीएम आयुष सिन्हा से नाराज है पर वायरल हुए एक वीडियो में सिन्हा को पुलिस को ठसर फोड़ दो किसानों केठ कहते हुए सुना जा सकता है. किसान आंदोलन के नेताओं, एक्टिविस्टों और राजनीतिक दलों ने पुलिस की कार्रवाई और विशेष रूप से एसडीएम के बर्ताव की आलोचना की है और उनके खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की मांग की है. चक्का जाम बल्कि हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने भी लाठीचार्ज की निंदा की और और सिन्हा के खिलाफ कार्रवाई का वादा किया. इसके विपरीत मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने कहा कि प्रदर्शनों के दौरान अगर पत्थर फेंके जाएंगे और राज्यमार्ग को ब्लॉक किया जाएगा तो पुलिस को कदम उठाने पड़ेंगे. करनाल में हुई घटना के विरोध में 29 अगस्त को किसानों ने कई स्थानों पर चक्का जाम किया. पंजाब में हजारों किसान सड़कों पर आ गए और कम से कम दो घंटों के लिए सभी राज्य और राष्ट्रीय राज्यमार्गों को ब्लॉक किया। इसके अलावा हरियाणा के नूह में किसानों की एक विशाल महापंचायत आयोजित की गई जहां करनाल की घटनाओं की निंदा की गई. भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने एसडीएम सिन्हा को कमांडर बताते हुए कहा कि, ठदेश पर सरकारी तालिबान का कब्जा हो चुका है।

### करनाल लाठीचार्ज पर फूटा राकेश टिकैत का गुस्सा, बोले- आरएसएस से है आईएएस अधिकारी का नाता

**गाजियाबाद (एजेंसी)।** भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने सोमवार को गाजियाबाद के लोनी में हुई किसान महापंचायत में हिस्सा लिया। इस दौरान करनाल में किसानों पर हरियाणा पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज पर बोलते हुए टिकैत ने कहा कि सरकार किसानों की आवाज को दबाने के लिए लाठियों का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन वह गलतफहमी में है। किसान डरने वाला नहीं है। किसान नेता ने कहा कि अधिकारी होने के बाद भी आदेश दे रहा है कि सिर फूटे बिना कोई नहीं जाना चाहिए।

### राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने लोगों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोगों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी। एक संदेश में, राष्ट्रपति कोविंद ने कहा, ठजन्माष्टमी के शुभ अवसर पर मैं भारत और विदेशों में रहने वाले सभी साथी नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

कोविंद ने कहा, ठजन्माष्टमी भगवान श्री कृष्ण के जीवन और शिक्षाओं के लिए खुद को समर्पित करने का त्योहार है। यह त्योहार भगवान श्री कृष्ण के संदेश को फैलाने का भी एक अवसर है, जिसमें धार्मिकता, सच्चाई और इनाम से अधिक कर्तव्य पर जोर दिया गया है। यह त्योहार हमें इन सभी शाश्वत मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करें।

# अक्टूबर नवंबर में होगा चरम, लेकिन दूसरी लहर से कम होगी घातक

## कोरोना की तीसरी लहर को लेकर विशेषज्ञों का दावा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत में कोरोना की तीसरी लहर कब आएगी, इसको लेकर अलग-अलग संभावनाएं जाहिर की जा रही हैं। इस बीच विशेषज्ञों ने एक दावा किया है। इस दावे के मुताबिक भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर अक्टूबर और नवंबर के बीच चरम पर हो सकती है। हालांकि इसकी तीव्रता दूसरी लहर की तुलना में काफी कम होगी। महामारी के गणितीय प्रारूपन में शामिल एक वैज्ञानिक ने यह बात सोमवार को कही। आईआईटी-कानपुर के वैज्ञानिक मणिंद्र अग्रवाल ने कहा कि अगर कोई नया स्वरूप नहीं आता है तो स्थिति में बदलाव की संभावना नहीं है। वह तीन सदस्यीय विशेषज्ञ दल का हिस्सा हैं जिसे संक्रमण में बढ़ोतरी का अनुमान लगाने का कार्य दिया गया है। अगर तीसरी लहर आती है तो देश में प्रतिदिन एक लाख मामले सामने आएंगे। जबकि मई में दूसरी लहर के चरम पर रहने के दौरान प्रतिदिन चार लाख मामले सामने आ रहे थे। दूसरी लहर में हजारों लोगों की मौत हो गई और कई लाख लोग संक्रमित हो गए थे। अग्रवाल ने ट्वीट किया कि अगर नया वैरिएंट नहीं आता है तो यथास्थिति बनी रहेगी। सितंबर तक अगर 50 फीसदी ज्यादा संक्रामक वैरिएंट सामने आता है तो नया स्वरूप सामने आएगा। आप देख सकते हैं कि नए वैरिएंट से ही तीसरी लहर आएगी और उस स्थिति में नये मामले बढ़कर प्रतिदिन एक लाख हो जाएंगे।

## खबर संक्षेप

### प्रतापपुर क्षेत्र में जोरों से काटे जा रहे हैं हरे पेड़

**प्रतापपुर।** विकास खण्ड क्षेत्र के उग्रसेनपुर क्षेत्र में इन दिनों हरे पीपल के पेड़ों की कटाई जोरों पर है जिसे लेकर लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है और फूलपुर कोतवाली पुलिस बेअसर साबित हो रही है क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश सरकार जहां हर प्रयास कर जुलाई माह में वन महोत्सव के तहत अभियान चलाकर पेड़ लगाने पर जोर दिया जिसमें शासन द्वारा करोड़ों रुपए खर्च कर किया वही पुलिस की लापरवाही बस क्षेत्र के पुराने पीपल,सीसम के पेड़ काट कर धराशाई किए जा रहे हैं जिसमें लकड़ी व्यापारियों की चल रही है पेड़ों का महत्व लोगों को उस समय समझ में आया जिन दिनों कोरोना कॉल कि दूसरे लहर चल रही थी हरगांव से 10-20 लोग यमलोक पुरी सिधार रहे थे ना तो शमशान में जगह मिलती थी शव दफनाने के लिए ना तो अस्पतालों में जगह मिल रही थी इलाज के लिए उन दिनों ऑक्सीजन महंगे दामों पर बेचा जा रहा था हर तरफ हाहाकार मचा हुआ था लोग यही कहते थे कि आक्सीजन की कमी से लोग मर रहे हैं यह अक्सीजन हमें पेड़ पौधों से ही मिलता है जिसकी सुरक्षा के विषय में जिम्मेदार लोग लापरवाही बरत रहे हैं ऐसा चलता रहा तो ऑक्सीजन की जरूरत फिर पड़ जाएगी।

# लाठीचार्ज के विरोध में फूटा गुस्सा

## किसान यूनियन ने फूंका हरियाणा सीएम का पुतला

अखंड भारत संदेश

**शंकरगढ।** करनाल में किसानों के ऊपर किए गए लाठीचार्ज के विरोध में किसान यूनियन ने जोरदार प्रदर्शन किया। हरियाणा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए किसानों ने कहा कि सरकार का यह अत्याचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके खिलाफ सड़क से संसद तक प्रदर्शन किया जाएगा।

किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने कहा कि सरकारों की बेरुखी से खेती-किसानी गर्त में जा रही है। अन्नदाताओं का कोई पुरसाहाल नहीं है। लाभ की बात छोड़िए, लागत निकालना भी मुश्किल होता जा रहा है। दयनीय हालात से गुजर रहे किसानों की पीड़ा पर मरहम लगाने को कौन कहे, सरकारें किसानों की आवाज को दबाने के लिए उन पर लाठी चार्ज करवा रही हैं। सरकार की यह तानाशाही किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी।

विरोध में किसान यूनियन हरियाणा सीएम का पुतला फूंकते

हरियाणा सरकार द्वारा करनाल में किसानों के ऊपर किए गए लाठीचार्ज के विरोध में क्षेत्रीय किसानों ने किसान यूनियन के बैनर तले शंकरगढ़ के रानीगंज चौराहे पर पुतला दहन किया। हरियाणा के सीएम का पुतला दहन करने के उपरांत किसानों ने सरकार की हठधर्मिता के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौकेपर किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, ब्लाक अध्यक्ष कृष्ण बहादुर सिंह, महेश सिंह प्रधान, गगन सिंह तहसील उपाध्यक्ष, कन्हैयालाल सिंह, राजू सिंह, अर्जुन सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

## तहसील प्रशासन के बदौलत चनैनी गांव में तालाब का सौन्दर्यी करण कार्य बाधित

### प्रधान के शिकायत के बाद भी नहीं हटाया गया अतिक्रमण

**करछना।** तहसील प्रशासन की घोर उपेक्षा के चलते ग्राम पंचायत चनैनी गांव के स्थित तालाब पर से अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके कारण उक्त गांव के तालाब का सौन्दर्य करण कार्य बाधित चल रहा है ।और गांव का विकास भी बाधित हो रहा है ।गांव के प्रधान धीतेश तिवारी ने बताया कि कयी बार संपूर्ण समाधान दिवस पर तालाब पर से अतिक्रमण हटावाने के शिकायत दर्ज कराई गई है । उक्त तालाब पर गांव के कुछ दबंग किस्म के लोग कब्जा कर लिया है, लेकिन तहसील प्रशासन उक्त तालाब पर से अतिक्रमण हटावाने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है जिसके कारण उक्त गांव के तालाब का सौन्दर्य करण कार्य बाधित चल रहा ।उन्होंने इस बावत उच्च अधिकारियों से अपील की है कि चनैनी गांव में स्थित तालाब पर से अतिक्रमण प्रशासन जल्द हटवाने का प्रयास करें जिससे गांव का विकास कार्य में रुकावट दूर हो सके ।

## न्यूज झरोखा

### रमेश सिप्पी जैसे निर्माता के लिए धारावाहिक लिखना गर्व की बात : फिल्म राइटर धीरज मिश्रा

धारावाहिक टीम के साथ राइटर धीरज मिश्रा।

**प्रतापपुर।** विकास खंड के निवासी स्क्रिप्ट राइटर धीरज मिश्रा जिन्होंने बायोपिक फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाई हैं जल्द ही उनकी गालिब और दीनदयाल एक युगपुरुष जैसी फिल्में रिलीज पर हैं । रमेश सिप्पी फिल्मी जगत के साथ टीवी जगत में भी अपनी अहम पहचान रखते हैं। फिल्मों में जहाँ उन्होंने शोले ,शान सीता और गीता जैसी हिट फिल्में बनाई तो वहीं उन्होंने दूरदर्शन के लिए कालजयी धारावाहिक बुनियाद का निर्माण और निर्देशन किया। ये बात 1986 की थी अब रमेश सिप्पी एक बार फिर तैयार हैं अपने धारावाहिक कोपा के साथ जिसके निर्माण में उनकी पत्नी और अभिनेत्री किरण जुनेजा ने भी भरपूर साथ दिया है । आसाम की पृष्ठभूमि पर रची गयी इस धारावाहिक की कहानी धीरज मिश्रा ने लिखी हैं। बतौर धीरज मिश्रा वो सिप्पी साहब और किरण जुनेजा से गोआ फिल्म बाजार में मिलें और मुंबई में आने पर उन्होंने कोपा की कहानी बताई और रमेश सिप्पी और किरण जुनेजा के साथ लंबी बैठकों के बाद पटकथा तैयार की गई । धीरज के लिए इस धारावाहिक के लिखना गर्व की बात है क्योंकि इसके निमार्ता रमेश सिप्पी हैं जिन्होंने मनोरंजन जगत को एक अलग आयाम दिया । किरण जुनेजा इस कोपा में नायिका की माँ की भूमिका में हैं । धारावाहिक की शूटिंग मुंबई और आसाम में की गई हैं इसका प्रसारण दूरदर्शन के नेशनल नेटवर्क पर शाम साढ़े छः बजे शुरू हो चुका हैं। धीरज मिश्रा की पत्नी यशोमति देवी भी लेखिका हैं उनके साथ कई धारावाहिकों में लेखन का कार्य कर चुकी हैं। इस साल धीरज का तीसरा धारावाहिक जिसका प्रसारण दूरदर्शन पर हो रहा हैं इसके पहले उनका धारावाहिक मेरे मन की कस्तूरी और कहानी वीर क्रांतिकारियों की का प्रसारण हो चुका हैं।

### स्वयंसेवी संस्थान की ओर से केंद्रीय कारागार नैनी को दिए गए 17 सीलिंग फैन

कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर लायंस क्लब गौरव व लायंस क्लब ग्रेटर की तरफ से सीलिंग फैन सौंपते

**नैनी।** कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर लायन डॉ संगम लाल विश्वकर्मा के नेतृत्व में नैनी स्थित सेंट्रल जेल में लायंस क्लब प्रयागराज गौरव एवं लायंस क्लब प्रयागराज ग्रेटर की तरफ से गर्मी को देखते हुए कैदियों के लिए 17 सीलिंग पंखा का अनुदान दिया गया। जेल अधीक्षक पी एन पांडेय ने भी पांच पंखे का अनुदान दिया। उनका सहयोग बहुत ही सराहनीय रहा। उन्होंने इस पुनीत कार्य के लिए क्लब की बहुत सराहना की। इस अवसर पर जोन चेयर पर्सन डॉ राकेश सिंह एवं रागिनी सिंह का सहयोग सराहनीय रहा। पूर्व अध्यक्ष एवं एडिशनल सीएमओ लायन डॉ बी के मिश्रा ने सभी को जन्माष्टमी की बधाई देते हुए कहा की यह अनुदान दोनों क्लबों ने मिलकर कर दिया है और आगे भी हम कैदियों के लिए उनकी जरूरत के हिसाब से सहयोग करते रहेंगे। इस दौरान डॉ रमेश चंद्रा, डॉ आशीष त्रिपाठी, राजेश सुमन, रवि मिश्रा , अजय रस्तोगी, मनीष, महेश केसरवानी, शुभांगु घोष लायन सरिता पटेल, सुचिता मिश्रा, प्रियंका जी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

विहिप कार्यकर्ताओं एवं किसानों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

## विहिप के कार्यकर्ताओं एवं किसानों का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग संम्पन्न

**जारी।** रविवार को विश्व हिंदू परिषद, गौरक्षा विभाग द्वारा गौवंश की तस्करी व गौहत्या रोकने तथा गोआश्रय केंद्रों पर व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते आए दिन भूख से तड़पकर मर रही गौमाता तथा कैंसर जैसी बीमारी को दूर करने के लिए जैविक कृषि करने हेतु यमुनापार के किसानों व कार्यकताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग जारी बाजार के सरस्वती शिशु मंदिर,के प्राँगण में संपन्न हुआ जिसमें यमुनापार के विभिन्न क्षेत्रों के 150 गांव के किसानों व कार्यकताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ' प्रशिक्षण वर्ग में गोवंश जो की तस्करी व गौहत्या रोकने हेतु "गौरक्षक सचल दस्ता" का तहसील, प्रखंड व खंड स्तर पर गठन करने का निर्णय लिया गया बैठक में मुख्य रूप से प्रान्त मंत्री श्री लालमणि तिवारीप्रांत उपाध्यक्ष वीरेंद्र जायसवाल, प्रांत सहमंत्री अशोक मिश्रा, विभाग मंत्री सुधीर केसरवानी, विष्णु श्रीवास्तव, ननकू जी, विष्णु कांत दुबे मुन्ना मिश्र , त्रिभुवन नाथ पटेल, दशरथ जी, राहुल पांडे ,राय साहब, ओंकार नाथ सिंह, अरुण सिंह ,दिवाकर उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

# ज्वेलर्स की दुकान से चोरी करने वाली गैंग की दो महिलाएं धराई

अखंड भारत संदेश

**जसरा।** जसरा बाजार रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित एक सोने चांदी की दुकान से ग्राहक बनकर आई तीन महिलाओं ने पचास हजार रुपए कीमत की सोने व चांदी के जेवरात चोरी कर वहाँ से फरार हो गई। दुकानदार ने चोरी कर भाग रही दो महिलाओं को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। जबकि एक महिला चोरी का गहना लेकर भागने में सफल रही।

सोमवार को दोपहर जसरा रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित अनारकली आनामेंट के नाम से दुकान चलाने वाले राजेश जायसवाल की दुकान पर तीन महिलाएं ग्राहक बनकर पहुंची तथा देर तक सोने व चांदी का सामान निकलवा कर देखती रहीं। इसी बीच मौका पाकर तीनों महिलाओं ने ज्वेलर्स की दुकान से 4 ग्राम सोने का

च्चोरी करने वाली दोनों महिलाओं को पुलिस ने लिया हिरासत में

झाला व तीन सौ ग्राम के दो पायल पर हाथ साफ कर दिया। इसके बाद तीनों महिलाएं बिना कुछ सामान खरीदे ही दुकान से निकल गई। थोड़ी देर बाद दूकानदार को जब अहसास हुआ कि सोने व चांदी का सामान तीनों महिलाओं ने चुरा लिया है तो दुकानदार अपने दुकान के कर्मचारियों के साथ उन महिलाओं का पीछा किया। इतने में जसरा बाजार में तीनों महिलाएं एक अन्य ज्वैलरी की दूकान में जाकर बैठ गई। इधर दूकानदार राजेश जायसवाल को देखकर महिलाएं इधर-उधर भागने लगी। इसी अफरातफरी में एक महिला चोर जेवरात लेकर भाग निकली। जबकि दो महिलाओं को बाजार के लोगों ने दौड़ा कर पकड़ लिया। इस बीच महिला चोर पकड़े जाने की जानकारी पर दर्जनों की संख्या में व्यापारी एकत्रित हो गए। वहीं भुक्तभोगी दूकानदार ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी। चौकी इंचार्ज गौहनिया ज्ञानेश कुमार महिला सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे तथा दोनों महिलाओं को घूरपुर थाने ले गए। थानाध्यक्ष घूरपुर राजेश उपाध्याय ने बताया कि पूछताछ में दोनों महिलाओं ने अपना नाम अंजलि पत्नी बच्चा निषाद व तलौनी देवी पत्नी कल्लू निषाद निवासी गण नीबी थाना घूरपुर बताया। वहीं घूरपुर पुलिस इनकी तीसरी महिला साथी की तलाश कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि महिलाओं का यह गैंग कई महीनों से सक्रिय है। ये आये दिन दुकानों में ग्राहक बनकर हजारों के सामान पर हाथ साफ करके निकल जाती है। वहीं थानाध्यक्ष ने दोनों जेल भेज दिया है।

## भक्त प्रहलाद की कथा सुनकर मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

अखंड भारत संदेश

**प्रतापपुर।** विकास खंड के भोगवरा ग्रामसभा के श्री विश्वनाथ मंदिर के प्रांगण में चल रहे श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन सोमवार को कथा वाचक अवधेश जी महाराज ने हिरण्यकश्यप व भक्त प्रहलाद की कथा सुनाया।

कथा वाचक अवधेश जी महाराज जी ने कहा कि हिरण्यकश्यप अपने भाई की मौत का बदला भगवान विष्णु से लेने के लिए ब्रह्मा जी की तपस्या करने के लिए एक वट के नीचे बैठ गया। जहां देव गुरु वृहस्पति तोता का रूप धारण कर वृक्ष पर बैठ गए। और नारायण नाम का रट लगाने लगा। आजिज हिरण्यकश्यप तपस्या छोड़ कर घर आ गया। पत्??नी ने पूछा कि आप तपस्या छोड़कर क्यों चले आए तो तोता की बात बताई। पत्??नी ने भी

भगवान के नाम क जप किया और गर्भ ठहर गया और भक्त प्रहलाद के रूप में बालक का जन्म हुआ। जब प्रहलाद गुरुकुल से घर आए तो हिरण्यकश्यप ने पूछा कि क्या शिक्षा ग्रहण किए हो। प्रहलाद भगवान का गुणगान करने लगे। इससे हिरण्यकश्यप क्रोधित हो उठा और कहा कि तुम मेरे शत्रु का गुणगान कर रहे हो। लेकिन प्रहलाद ने भगवान की अराधना नहीं छोड़ी। हिरण्याकश्यप अत्याचार करता रहा और भगवान प्रहलाद को बचाते रहे। एक दिन हिरण्यकश्यपु ने प्रहलाद से कहा कि तुम्हारे भगवान कहां हैं। प्रहलाद ने जवाब दिया कि कण-कण में हैं और इस खंभे में भी हैं। इतना सुनते ही हिरण्यकश्यप ने तलवार निकाल कर खंभे पर वार कर दिया। तब नरसिंह के रूप में भगवान प्रकट होकर हिरण्यकश्यप का वध कर देते है।इस मौके पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष संजय तिवारी, पूर्व ग्राम प्रधान भोगवारा श्रीकांत शुक्ला, मिठाईलाल यादव, विजय कुमार, धर्मेश तिवारी, पीके तिवारी, दीपक तिवारी, हवलदार तिवारी सहित बड़ी संख्या में कथा प्रेमी उपस्थित रहे।

# राज्यसभा सांसद का केक काटकर मनाया गया 81 वां जन्मदिन

## देवरी में सपा ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी ने राज्य सभा सांसद का धूमधाम से मनाया जन्मदिवस

राज्य सभा सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह केक काटते हुए

अखंड भारत संदेस

**करछना।** सोमवार को करछना क्षेत्र के देवरी कला गांव में सपा कार्यकताओं ने राज्यसभा सांसद का जन्मदिन धूमधाम से मनाया । इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे राज्यसभा सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने 81वां जन्मतिथि के मौके पर केक काटा। जिसके बाद ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि करछना कमलेश कुमार द्विवेदी ,संतोष पांडे, विनय कुमार यादव निरिया , लाल जी यादव, लवकुश मौर्य, रामू यादव, भोला पाण्डेय, विकास मिश्रा, अमित तिवारी, मदन मोहन द्विवेदी, ओपी पटेल कबूतर शिव यादव व पार्टी कार्यकताओं ने जन्मदिन की बधाई दी। इसके पहले क्षेत्र के मुगारी में सपा कार्यकताओं ने जन्मदिन मनाया। इस दौरान टोल प्लाजा पर प्रधान संघ के पदाधिकारी और समाजसेवी कमल मिश्रा ने अशोक तिवारी, अजीत, मोहित पांडे, के साथ कुंवर रेवती रमन सिंह का फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर मिथिलेश द्विवेदी,गजेंद्र तिवारी, पद्ममोहन, राजाराम पटेल ,लवकुश मौर्य, प्रदीप मिश्रा, शत्रुघ्न मिश्रा, दीपक मिश्रा, आदि लोग रहे।

### राज्यसभा सांसद का जन्म दिवस धूमधाम से मनाया गया

मेवालाल बगिया तिराहे पर सभा के दौरान राज्यसभा सांसद का जन्मदिवस मनाते समर्थक

**नैनी।** मेवा लाल बगिया तिराहे स्थित एक सभा आयोजित करके राज्यसभा सांसद व सपा के संस्थापक सदस्य कुँवर रेवती रमण सिंह जी का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास के साथ गीत प्रस्तुतिकरण के साथ केक काटकर मनाया गया। सभा की अध्यक्षता समाजसेवी व नैनी व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष नाजिम खान के संयोजन में आयोजित की गई। कार्यक्रम में गीत प्रस्तुति अमित मिश्रा अमिलिया व इनकी टीम ने किया। इस मौके पर सपा नेत्री अनीता शुक्ला व नैनी के वरिष्ठ सपा नेता सैयद इफ्तेखार हुसैन,सुभाषचंद्र केशरवानी, संदीप शर्मा , पप्पू सिंह, मो० शारिक , मो०अजहर, राहुलसिंह, ऋषिकेश सिंह, बच्चा जायसवाल, सतीश शर्मा, शाहजाद खान , हासिम खान, आजाद खान इत्यादि लोग मौजूद रहे।

# माह में दो बार गरीबों असहाय लोगों का निःशुल्क ईलाज होगा : डा. विक्रम सिंह

## साँई नर्सिग होम का त्रिवेणी प्रसाद पाण्डेय ने फीता काट कर किया उदघाटन

अखंड भारत संदेस

**करछना।** के डीहा बाजार में नवनिर्मित साईं नर्सिंग होम का उद्घाटन पूर्व जिला पंचायत सदस्य व यमुनापार भाजपा के जिला उपाध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद पांडेय ने फीता काटकर सोमवार को किया । उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य सेवा में यह नर्सिंग होम बहुत ही जनउपयोगी व लाभकारी सिद्ध होगा । उद्घाटन समारोह में मौजूद रहे डां विक्रम सिंह ने बताया कि इस अस्पताल के माध्यम से मांह के 15 वें दिन गरीब एवं असहाय लोगों के लिए निशुल्क

फीता काट कर उदघाटन उद्घाटन करते मुख्य अतिथि

स्वास्थ्य शिविर कैम्प आयोजित किया जाएगा । जिसमें ब्लड प्रेशर मधुमेह की शिविर में मौजूद डॉक्टरों की ओर से निशुल्क में जांच कर परामर्श भी दिया जाएगा । उन्होंने सभी के प्रति आभार जताते हुए धन्यवाद भी ज्ञापित किया । उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता हरेंद्र कुमार शुक्ल व संचालन राज प्रताप सिंह ने किया । इस अवसर पर पूर्व ग्राम प्रधान डीहा लल्लन प्रसाद यादव कमलेश सिंह शशि कांत पांडेय सूर्यकांत मिश्र सुभाष सिंह सत्यप्रकाश मिश्र आशीष पांडेय पंकज शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे ।

### बाबूगंज रामलीला कमेटी में राजकुमार अध्यक्ष व भारत लाल बने महामंत्री

**फूलपुर।** श्री रामलीला कमेटी बाबूगंज की एक आम बैठक रविवार को बाबूगंज में सम्पन्न हुई। जिसमें राजकुमार मोदनवाल को अध्यक्ष व भारत लाल जायसवाल को सर्व सम्मति से महामंत्री पद के लिए चुना गया। 1961 से मंचित रामलीला कमेटी ने कई महत्वपूर्ण कलाकारों को अपने अभिनय को प्रदर्शित करने का मौका दिया। आमसभा में सर्वसम्मति से राज कुमार मोदनवाल को अध्यक्ष व भारत लाल जयसवाल को महामंत्री तथा गौरव जयसवाल को उपाध्यक्ष चुना गया। नीरज जायसवाल उप मंत्री पद मिला। वही 1971 से लगातार कोषाध्यक्ष की कमान संभाल रहे सुरेश चंद्र केसरवानी को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। प्रदीप जायसवाल व शिवम जयसवाल को सूचना एवं प्रसारण मंत्री, राजेश केसरवानी को आय-व्यय निरीक्षक के साथ ही अशोक कुमार केसरवानी को रामलीला कमेटी का संरक्षक मनोनीत किया गया। निर्देशक की जिम्मेदारी शिव कुमार गुप्ता, राजेंद्र कुमार पटेल, व देव कांत पांडेय को सौंपी गई। मंच निर्देशन के लिए संदीप जायसवाल, मोनू साहू व वीरेंद्र जायसवाल का चयन किया गया। रामलीला मंचन को सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से सलाहकार के रूप में पाली ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान राकेश कुमार यादव व जाफर पुर उर्फ बाबूगंज के प्रधान भास्कर सिंह पटेल व विजय चंद्र विश्वकर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई।

# ब्लाक प्रमुख शैलेश यादव ने गेट निर्माण के लिए किया भूमि पूजन

अखंड भारत संदेश

**प्रतापपुर।** विकास खण्ड प्रतापपुर के ग्राम पंचायत करुआडीह में ब्लॉक प्रमुख शैलेश यादव ने गेट निर्माण के लिए भूमि पूजन कर शुभारंभ किया ।गेट निर्माण को लेकर किए गए प्रयास से ग्रामीणों में काफी काफी उत्साह है। प्रतापपुर विकास खंड के करुआडीह ग्राम पंचायत में गेट निर्माण को लेकर युवा क्षेत्र पंचायत सदस्य रवि प्रकाश पटेल ने पहल किया था उसी क्रम में ब्लाक प्रमुख शैलेश यादव भूमि पूजन करके गेट निर्माण का रास्ता साफ कर दिया ।बीडीसी ने बताया कि शीघ्र निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। धर्मेंद्र सरोज जिला पंचायत

करुवाडीह गाँव में भूमि पूजन करते ब्लाक प्रमुख शैलेश यादव

सदस्य,भानू पटेल अपना दल एस के जिलाध्यक्ष, सत्यनारायण पूर्व प्रधान, सभाजीत मिश्र, सन्तोष पटेल प्रधान, विजय बहादुर पटेल, सन्तोष मिश्रा पूर्व बीडीसी, रामसजीवन भारतीय, शेषमणि भारतीय गेट निर्माण की पहल से ग्रामीण काफी उत्साहित है।

## खबर संक्षेप

### बसना नाले पर बनाए जा रहे नए पुल का काम लगभग पूरा

**प्रयागराज।** लखनऊ और फैजाबाद रूट पर जल्दी ही आवागमन आसान होगा। लोक निर्माण विभाग एनएच खंड की ओर से बसना नाले पर बनाए जा रहे नए पुल का काम पूरा हो गया गया। संभावना है कि इसे सितंबर के तीसरे हफ्ते में शुरू किया जाएगा। बसना नाले पर दो लेन का नया पुल बनाने का काम पिछले साल नवंबर में शुरू हुआ था। यह सोरांव से आनंद भवन तक फोरलेन किए जा रहे राजमार्ग का हिस्सा है। फोरलेन बनाए जाने का काम शहर में एमएनएनआईटी तक पूरा कर लिया गया है। उसके आगे का काम जारी है। पीडब्ल्यूडी एनएच खंड मार्ग के चौड़ीकरण का काम कर रहा है। पुल को बसना नाले पर बने पुराने पुल से बिल्कुल बगल जोड़कर बनाया गया है। इसे बनाने के लिए तीन पिलर डाले गए हैं। नए पुल पर जुलाई में ही स्लैब डाली जा चुकी है। पुल के दोनों ओर रेलिंग बनाने का काम चल रहा है। रेलिंग का काम भी 50 फीसदी से अधिक पूरा कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि इसी हफ्ते रेलिंग का काम पूरा कर लिया जाएगा। जबकि, पुल के दोनों तरफ एप्रोच पर काम चल रहा है। उसे पूरा होने में तकरीबन दो हफ्ते लगेंगे। परियोजना का काम देख रहे एनएच खंड के अवर अभियंता आरके मिश्रा ने बताया कि पुल के मुख्य हिस्से का काम पूरा हो चुका है।

# सीबीआई के मुकदमों में लोकसेवा आयोग के अफसर अज्ञात

अखंड भारत संदेश

### प्रतियोगियों का दावा परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी

प्रतियोगियों का दावा है कि सीबीआई जिन परीक्षाओं की जांच कर रही हैं, उनमें से ज्यादातर परीक्षाओं में गड़बडियां हुईं हैं। प्रतियोगियों ने सीबीआई को तमाम अभिलेखीय साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं। अब तक दस हजार अभ्यर्थियों के बयान लिए जा चुके हैं। प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के अध्यक्ष अवनीश पांडेय ने मांग की है कि आयोग अभियोजन स्वीकृति शीघ्र प्रदान करे और सीबीआई भी अन्य परीक्षाओं में प्राथमिक जांच के साथ कम से कम एफआईआर जरूर दर्ज करे, ताकि प्रतियोगियों का विश्वास बना रहे।

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की भर्ती परीक्षाओं की जांच कर रही सीबीआई ने साढ़े तीन साल में दो मुकदमे दर्ज किए और दोनों में ही परीक्षाओं में धांधली के लिए दोषी आयोग के अफसर एवं कर्मचारी अज्ञात हैं। सीबीआई ने तीन साल पहले पीसीएस-2015 के मामले में एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें आयोग के अफसर एवं कर्मचारी अज्ञात थे और अब भी अज्ञात हैं। प्रतियोगियों को आशंका है कि अपर निजी सचिव (एपीएस)-2010 के मामले में दर्ज एफआईआर में भी आयोग के अज्ञात अफसर एवं कर्मचारी भी कहीं अज्ञात ही न रह जाएं।

सीबीआई ने पीसीएस-2015 में हुई धांधली के मामले में पांच मई 2018 को एफआईआर दर्ज की थी। मुकदमा दर्ज करने से पहले सीबीआई को भर्ती में धांधली से जुड़े कई अहम सुराग मिले थे। जांच के दौरान कई कॉपियों में विशेष चिह्न लगे हुए मिले थे, जिससे अभ्यर्थियों की पहचान आसानी से की जा सकती थी। मॉडरेशन की आड़ में अंकों से छेड़छाड़ के सुबूत मिले थे। कई अभ्यर्थियों के अंक बढ़ाए और घटाए गए थे। अंतर इतना था कि पूरी मेरिट प्रभावित हो रही थी। सीबीआई ने अपनी एफआईआर में इन सभी गड़बडियों का जिक्र किया था। मामले में सीबीआई ने आयोग के अज्ञात अफसरों और बाहरी अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। हालांकि इस मुकदमे में अब तक कोई सीधी कार्रवाई नहीं की गई है। तीन साल बाद सीबीआई ने चार अगस्त 2021 को एपीएस-2010 में हुई धांधली के मामले में मुकदमा दर्ज किया। इस बार सीबीआई ने पूर्व परीक्षा नियंत्रक एवं पीडब्ल्यूडी के विशेष सचिव प्रभुनाथ को नामजद किया, लेकिन इस एफआईआर में भी आयोग के कुछ अफसरों/कर्मचारियों को अज्ञात के रूप में शामिल किया गया। अज्ञात अफसरों/कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए सीबीआई ने आयोग को पत्र भेजकर दूसरी बार अभियोजन की स्वकृति मांगी है, लेकिन आयोग से अब तक स्वीकृति नहीं मिली है। सवाल उठ रहे हैं कि अभियोजन स्वीकृति के नाम पर कार्रवाई कब तक रुकी रहेगी और प्रतियोगियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले अफसरों के खिलाफ कोई सीधी कार्रवाई हो सकेगी या नहीं।

# अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर आभूषण समेत नगदी उड़ाया

**हंडिया।** हंडिया कोतवाली क्षेत्र के सीयाडीह गांव में अज्ञात चोरों ने दीवाल से घर के अंदर घुस कर आभूषण समेत नकदी व घर के अंदर रखा अन्य सामान को चुरा लिया। वही पीड़ित ने थाने में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। थाना हण्डिया अन्तर्गत सियाडीह निवासी रामजस पांडे जो पुरे परिवार के साथ कोलकाता गए हुए थे। वही शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने दीवार से छत पर चढ़कर घर के अंदर प्रवेश किये। 6 कमरों का दरवाजे के ताले को तोड़कर कमरे से आभूषण समेत हजारों रुपए नगद व बर्तन कपड़ा समेत अन्य सामान उठा ले गए। पीड़ित ने 2 लाख की क्षति दिखाई है। वही पीड़ित ने लिखित प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

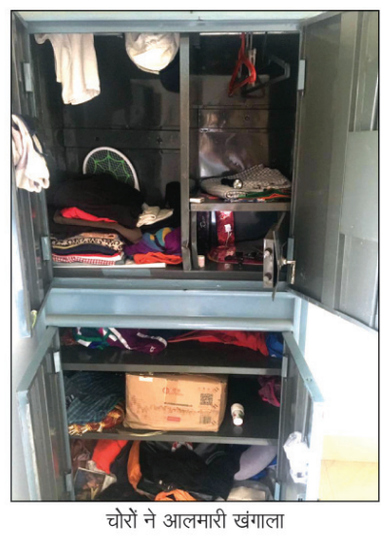

चोरों ने आलमारी खंगाला

# नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के जयकारे से गूंजा प्रांगण

भजन प्रस्तुत करते सूर्य प्रकाश दुबे

### धूम-धाम से मनाया गया जन्माष्टमी उत्सव

**जारी।** श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में जारी बाजार के बड़े हनुमान जी के मंदिर में महंत बाबा बालक दास के मंदिर में सुबह से मंदिर को बड़े ही खूबसूरती के साथ सजाया गया था और जन्म के बाद भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया इसी तरह सुबह से जन्माष्टमी के उपलक्ष में जारी चौकी परिसर मंदिर को बड़े ही साजो, सज्जा के साथ और बड़े ही धूमधाम से श्री कृष्ण जन्म उत्सव मनाया गया और भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया इसी तरह कोटेदार मंजू देवी अलौकिक गुब्बारों की सजावट कर रखी थी और जन्म के बाद देर रात्रि भोग लगा कर भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। श्री कृष्ण के बाल लीलाओं का भी इसमें वर्णन है। कान्हा अपनी बाल लीला से मैया यशोदा को तंग करते हैं ।और उनकी माखन की मटकी तोड़ देते हैं ।तो मैया यशोदा उन्हें औखल से बांधने की कोशिश करती हैं लेकिन उनकी रस्सी को कान्हा बार बार छोटी कर देते हैं। यशोदा मैया को हारा देख कर कान्हा खुद को औखल से बांध देते हैं। यशोदा मैया पानी लेने चली जाती है तो कान्हा उस औखल को अपने साथ खिंच कर दो पेड़ों के बीच में फँसा लेते हैं जिस से वो पेड़ टूट जाते हैं और दो यक्ष प्रकट होते हैं। श्री हरी उन्हें अपने स्वरूप के दर्शन देते हैं तो वो यक्ष उन्हें बताते हैं की उन्हें नारद मुनि जी ने श्राप दिया था और हम वृक्ष बनकर यहाँ बहुत लम्बे समय से थे आज आपने उन्हें मुक्त कर दिया।

### प्रमुख प्रतिनिधि ने लाइट टेंट हाउस का किया उद्घाटन

**करछना।** तहसील क्षेत्र के भरहा में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि मिथिलेश द्विवेदी ने एक न्यू टेंट लाइट हाउस का फीता काट किया उदघाटन, इस दौरान उन्होंने कहा कि इसके खुल जाने से क्षेत्र के लोगों को सुविधा मिलेगी, लोग अपनी जरूरत पडने पर दूर दराज शादी ब्याह व अन्य अवसरों पर जाना पडता था जो लोगों को काफी हद तक अब इसके खुल जाने से सुविधा होगी, इस मौके पर गांव के कयी गणमान्य लोग मौजूद रहे।

# मामूली विवाद पर दोस्त को ही उतारा मौत के घाट

अखंड भारत संदेश

### शव को नोच ले गए जंगली कुत्ते

संजय की हत्या के बाद उसके शव को झाड़ियों में फेंक दिया गया था। रात में कुत्ते उसके सीने और चेहरे का अधिकांश हिस्सा नोचकर खा गए।संजय की हत्या में आरोपी को पकड़ लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। शराब पीने के दौरान हुए झगड़े में हत्या की गई। अभिषेक अग्रवाल, एसपी गंगापार।

**प्रयागराज।** फाफामऊ घाट पर पुल के नीचे शनिवार की रात लाश जलाने का काम करने वाले संजय उर्फ बिहारी की त्रिशूल से पीटकर नृशंस हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप संजय के दोस्त ईश्वर चंद्र पर लगा है। ईश्वर और संजय रात में साथ में शराब पी रहे थे। इसी दौरान पैसों को लेकर विवाद शुरू हुआ। पुलिस ने ईश्वर चंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में एक और व्यक्ति के शामिल होने की बात कही जा रही है। पुलिस उसके बारे में पता लगा रही है।बिहार के मुजफ्फरपुर का रहने वाला संजय उर्फ बिहारी (36) कई वर्षों से फाफामऊ पुल के नीचे झोपड़ी बनाकर रहता था। वह घाट पर शवों को जलाने का काम करता था। शनिवार की रात संजय और उसका दोस्त ईश्वर चंद्र घाट पर खाट बिछाकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान दोनों में पैसों को लेकर झगड़ा शुरू हो गया। वहीं बगल में लोहे का त्रिशूल था। ईश्वर ने त्रिशूल से संजय के सिर और चेहरे पर एक के बाद एक कई घातक प्रहार किए जिससे संजय की मौत हो गई।

इसके बाद ईश्वर चंद्र शव को घसीटता हुआ कुछ दूर झाड़ियों में ले गया। वहीं शव फेंककर भाग निकला। सुबह लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। लोगों ने बताया कि संजय दोस्तों के साथ शराब पी रहा था। पुलिस ने ईश्वर चंद्र को हिरासत में ले लिया। त्रिशूल भी बरामद कर लिया गया है। प्रभारी निरीक्षक फाफामऊ के मुताबिक संजय मुजफ्फरपुर में कहां का रहने वाला है, यह किसी को नहीं मालूम। उसके परिवार के बारे में पता लगाया जा रहा है। रात में उनके साथ एक और शख्स के शराब पीने की बात पता चली है। उसके बारे में भी जानकारी की जा रही है। लावारिस लाशें जलाने के लिए पैसा आता है। इसी पैसे के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था। टाल मालिक दीपू यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

# आधी रात जन्मे नंद गोपाल, बजे मंगल गीत

## जन्माष्टमी में बाजारों में रौनक,रंगबिरंगी झांकी से नहाया थाना शंकरगढ़

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** मुम्बई से आये सुप्रसिद्ध भजन गायक व प्रयाग गौरव रत्न से सम्मानित सूर्य प्रकाश दुबे ने अपने भजनों से आए हुए श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिए ' कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रयागराज के झूसी क्षेत्र स्थित उल्टा किला में सूर्य प्रकाश ने बृंदावन का माहौल पैदा कर दिया ' परमावतार श्री कृष्ण के जन्मोत्सव को बड़े ही धूम धाम से मनाया ,आपको बताते चलें कि भजन के दौरान सूर्या जी ने एक से बढ़कर एक भजनो को श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किए ' श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी,मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है,कृष्ण जन्म सुनी आई यसोदा मैया दे दो बधाई आदि भजनो को प्रस्तुत किए भजन सुन श्रोता भाव विभोर हो गए ' उनके साथ गायिका पूजा छाबड़ा ने भी बहुत अच्छी प्रस्तुति की खूब नचाया लोगो,को ग्रुप के प्रमुख लीडर सत्य प्रकाश जी ने खूब साथ दिया।

साथ मे कार्यक्रम के आयोजक फिल्म निमार्ता बृजेश पांडेय जी का भव्य स्वागत अवधेश चंद गुप्ता जी ने किया ' अंत मे उल्टा किला के महंत शिला दीदी ने सहयोगियो जैसे मनोज श्रीवास्तव प्रमोद अरोरा , बी के कश्यप नैमिष त्रिपाठी का स्वागत किए ' तथा कार्यक्रम के संयोजक रवि,विमल ने सबका आभार व्यक्त किया।

शंकर गढ़ थाने को इस तरह से सजाया गया व प्राचीन बाबा बालक दास का मंदिर को सजाया गया

**शंकरगढ़।** यमुनापार के शंकरगढ़ क्षेत्र में भादौं (प्रथम पक्ष) की अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र की मध्य रात्रि में जन्में योगेश्वर श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर क्षेत्र की बाजारों में सुबह से ही चहल-पहल बनी रही। जगह-जगह कान्हा के लिए रंगबिरंगे पोशाक, साज-सज्जा के सामान की बिक्री होती रही।शंकरगढ़ क्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण की सभी मंदिरों में जन्मोत्सव मनाए जाने की तैयारियां चलती रहीं। मंदिर व उसके आस पास के परिसरों को आकर्षक लाइट से सजाया गया। रात के बारह बजे श्रीकृष्ण के जन्म लेते ही बधाई गीत, सोहर और ह्यजय कन्हैयालाल की, हाथी-घोड़ा पालकीह्न की गूंज सुनाई दी। पिछली बार की तरह इस बार भी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर कोरोना का खौफ साफतौर पर दिख रहा है। फिर भी इस बार लोग जन्मोत्सव को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। आम दिनों की तरह जन्मोत्सव पर उत्सव व मेला भले ही न दिखे, पर लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं है। जन्मोत्सव के मौके पर प्रदेश सरकार ने भी रात्रि कालीन कर्फ्यू में एक दिन के लिए छूट प्रदान की है। शंकरगढ़ थाना परिसर में स्थित मंदिर में राधा और कृष्ण का भव्य व आकर्षक श्रृंगार किया गया और थाना परिसर को विशेष साज-सज्जा से सजाया गया। रात में भव्य आरती के साथ नंदलाला को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया।

### जन्मास्टमी पर गूंजा प्राचीन बाबा बालक दास का मंदिर व कौंधियारा थाना में भजन - कीर्तन सम्पन्न हुआ

**कौंधियारा।** कौंधियार थाने में मानस पूर्ण होने के बाद पूणार्हुति हवन के बाद विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया।भण्डारे के साथ देर रात तक स्थानीय कलाकारों द्वारा भजन कीर्तन एवं सोहर का आयोजन किया गया शुक्रवार को भगवान के जन्म से छठी तक निरंतर संकीर्तन एवं भजन संध्या का आयोजन विभिन्न कलाकारों द्वारा किया गया।इसी क्रम में जारी बाजार के कई मन्दिरो पर भी अखण्ड मानस के साथ जन्माष्टमी मनाया गया।

# सपाइयों ने मनाया कुंवर रेवती रमण सिंह का 81 वां जन्मदिन

**कोरांव।** समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने पार्टी कार्यालय कोरांव में दिन सोमवार को वरिष्ठ समाजवादी नेता और लगातार 8बार के विधायक 2बार के लोकसभा सांसद 1बार के राज्यसभा सांसद कई बार के मंत्री कुंवर रेवती रमण सिंह का 81 वाँ जन्मदिन राजेश पाण्डेय वरिष्ठ नेता समाजवादी पार्टी के नेतृत्व में मनाया गया। इस मौके पर रविंद्र जैसल प्रधान सुभाष वरिष्ठ सपा नेता ने कहा कि गरीबों किसानों पिछड़ों अल्पसंख्यकों नौजवानों शोषित वंचित आम जनमानस की हक की आवाज को सड़क से लेकर संसद तक बुलंद करने वाले लोकप्रिय गंगा पुत्र कुवर रेवती रमण सिंह ने आजीवन अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित किया इसलिए प्रयागराज का गांधी व जननायक कहा जाता है। मौके पर उपस्थित सफात अली नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा समाजवादी पार्टी ने कुंवर साहब के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जहां एक ओर सरकार में बैठे लोग स्वच्छ गंगा मिशन के नाम पर महज खाना पूर्ति का कार्य किया वहीं पर हमारे नेता ने गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए वाराणसी प्रयागराज और हरिद्वार में ऐतिहासिक आंदोलन किया जिससे लोग इन्हें गंगा पुत्र कहते है सपा नेता बताया की रेवती रमण सिंह विगत 32वर्षों से गंगा जल ही पीते है। इस मौके पर मुख्य रूप से सोमदत्त सिंह पटेल विधान सभा प्रभारी मेहताब खान नगर अध्यक्ष हरी प्रसाद पाल विधानसभा अध्यक्ष पिछड़ा प्रकोष्ठ इसराइल अली शहादत अली दिनेश पटेल इमरान अली लालता प्रसाद मंगला कोल अशोक विद्यार्थी शिवदनी पाल आदि लोग उपस्थित रहे।

कोरांव में क्षेत्र के लोग रेवती रमण का जन्मदिवस मनाते

# एमबी ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन ने किया ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को सम्मानित

**जसरा।** जसरा के एक इंटर कॉलेज में एमपी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के तत्वाधान में आयोजित एक कार्यक्रम में क्षेत्र के ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

सएबी ग्रुप के तत्वावधान में सम्मानित करते

रविवार को श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा के सभागार में एमवी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन संस्थापक पूर्व विधायक वाचस्पति ने ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को सम्मानित किया । मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित पूर्व विधायक वाचस्पति ने कहा कि जसरा क्षेत्र के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य को एमबी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट की ओर से अच्छे कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इंस्टीट्यूट के द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से बेरोजगारों को प्रशिक्षण देकर रोजगार दिलाने का कार्य किया जाता है। बैठक में उपस्थित लगभग पांच दर्जन से अधिक ग्राम प्रधानों , क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा जिला पंचायत सदस्य को पूर्व विधायक वाचस्पति द्वारा सम्मानित किया गया । देवरिया गांव के प्रधान महंत राजीव गिरी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान बिरवल राम अजोर यादव व संचालन सतीश साहू ने किया। इस अवसर पर सुरेन्द्र केसरवानी, बृजेश सहारा,अशोक कुशवाहा, मुन्ना पाल, विजय कुमार निषाद श्यामू ,भीमराज सिंह पटेल, सुरेश पासी आदि लोग उपस्थित रहे।

# क्षेत्रीय मंत्री महिला मोर्चा वंदना सिंह का सहसों में हुआ जोरदार स्वागत

**सहसों।** भारतीय जनता पार्टी मंडल सहसों गंगापार सोमवार को पार्टी कार्यालय सहसों चौराहे पर क्षेत्रीय मंत्री काशी क्षेत्र श्रीमती वंदना सिंह का पार्टी कार्यकताओं द्वारा स्वागत समारोह का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में जिला महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती आरती अग्रवाल ने क्षेत्रीय मंत्री का बुके देकर एवं शाल पहनाकर स्वागत सम्मान किया। पार्टी कार्यकताओं ने जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती आरती अग्रवाल एवं प्रदेश सहसंयोजक राष्ट्रीय प्रशिक्षण अभियान डॉक्टर शैलेश कुमार पांडे को माला पहना कर स्वागत किया। इस अवसर पर स्वागत भाषण में भूमि विकास बैंक अध्यक्ष फूलपुर वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने भाजपा की रीति व नीति बताते हुए कार्यकताओं का उत्साह वर्धन किया। क्षेत्रीय मंत्री वंदना सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा भारतीय जनता पार्टी में महिलाओं का पूरा सम्मान है महिला सशक्तिकरण के संबंध में महिला पुरुष मिलकर के कार्य कर रही हैं चाहे राजनीतिक स्तर हो सामाजिक स्तर हो नौकरी व्यवसाय हो हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी पहचान बना रही हैं। एक समय था की पार्टी में कार्य करने के लिए कोई महिला नहीं मिलती थी आज लोग कार्य करने के लिए अवसर ढूंढ रहे हैं। उपस्थित जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा आरती अग्रवाल ने कहा पार्टी के दिशा निर्देश पर जो भी आदेश मिलेगा बगैर विलंब किए हम लोग मिलकर के कार्य को पूरा करके 2022 का चुनाव जिता करके पुनः प्रदेश में सरकार भाजपा की बनाएंगे । कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार सरोज ने एवं कार्यक्रम का संचालन भारतेंद्र त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम के अंत में मंडल सहसों के महामंत्री पवन कुमार शुक्ला ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह पटेल, मंडल प्रभारी मृगेंद्र सिंह, जय प्रकाश दुबे, गिरजा शंकर पांडे, राजधर दुबे, रमेश कुमार दुबे, मनोज तिवारी, नरेंद्र कुशवाहा, रमाकांत पांडे, राजेश सरोज, संतोष सिंह, लव कुश बिंद, रमन सिंह, मुकेश दुबे, रमेश पटेल, डॉ राजेंद्र वर्मा, राम सुधार आदि लोग रहे।

क्षेत्रीय मंत्री महिला मोर्चा वंदना सिंह का स्वागत करते

# कृष्ण जन्माष्टमी पर किए गए पौधरोपण

अखंड भारत संदेश

**घूरपुर।** कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर क्षेत्र के सभी देवालय पूरी तरह से सजाये गये हैं। इस बार के जन्माष्टमी पर पूजा अर्चना के साथ साथ बेटी बचाओं -बेटी पढ़ाओं, वृक्षारोपण, रक्तदान इत्यादि सामाजिक सरोकारों से जुड़े आयोजन भी किये जा रहें हैं। इसी क्रम में युवा समाजसेवी एवम राज नारायण सिंह पटेल स्कूल &कालेज के प्रबंधक महेंद्र प्रताप सिंह नें जन्माष्टमी के अवसर वृक्षारोपण के साथ ग्रामीणों में व्यापक पैमाने पर कदम्ब, आम के पौधे भी भेंट किए उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा हैं इसलिए जितना अधिक से अधिक हों पाता वह क्षेत्रवासियों के सम्मान में मौजूद रहते हैं। साथ वृक्षारोपण के दौरान यह भी बोले कि बदलते समय में समाज के युवाओं में काफी सकारात्मक बदलाव हों रहें हैं जों एक अच्छे राष्ट्र के निर्माण में काफी सहायक होगा। साथ ही वृक्षारोपण को आवश्यक बताते हुए उन्होंने अच्छे पर्यावरण के लिए अधिक से अधिक मात्रा में वृक्षारोपण एवम उनके संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित किए उन्होंने यह भी कहा कि भगवान श्री कृष्ण का सम्पूर्ण जीवन मानव एवम प्रजा हित में रहा हैं अतः उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सभी को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रयास करना चाहिए।

जन्माष्टमी पर वृक्षारोपण करते युवा समाजसेवी महेंद्र सिंह पटेल

### भगवान श्री कृष्ण युवाओं के असली प्रेरणास्त्रोत

**घूरपुर।** भगवान श्री कृष्ण का सम्पूर्ण जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। श्री कृष्ण जीवन जी का जीवन सदैव से इस बात का सूचक रहा हैं कि परिस्थितियाँ कैसी भी हों किन्तु निराशा के दामन का बहिष्कार करते हुए सदैव संघर्ष एवम धैर्य के मार्ग को जीवन में अपनाना चाहिए। साथ ही इस बात का भी द्योतक हैं कि कभी अपनी शक्ति एवम परामर्श का प्रयोग मानव हित के अलावा अन्य क्षेत्रों में नहीं करना चाहिए। उक्त बातें युवा समाजसेवीं एवम अधिवक्ता शिव कुमार सोनू नें आज जन्माष्टमी के मौके पर यमुनापार के कई देवालयो पर सम्मिलित होकर युवाओं को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से सीख लेते अपने जीवनकाल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किये। इस अवसर पर श्री पटेल नें यह भी बोले कि प्रत्येक त्यौहारों, महापुरुषों की जयंती या पुण्यतिथि के अवसर पर समाज के सभी लोग बहुतायात मात्रा में पौधा रोपण एवम वितरण के साथ साथ जलसंरक्षण इत्यादि प्रमुख विषयों पर गंभीरता अपनाने के लिए भी प्रेरित किये।इसके साथ ही दहेज प्रथा, नशा, बालविवाह इत्यादि सामाजिक बुराइयों को जल्द से जल्द उखाड़ फेकने के लिए प्रेरित करते हुए उक्त सामाजिक बुराइयों को समाज एवम राष्ट्र की प्रगति में बाधा के रूप में स्वीकार करते हुए युवाओं से उखाड़ फेकने के लिए आग्रह भी किये। इस अवसर पर राम धीरज, कृष्ण कुमार, धर्मेंद्र, मनोज पटेल आदि लोग शामिल रहें।

रामजानकी कुटी लालापुर में मनाया गयाी कृष्ण जन्मोत्सव

# राम जानकी कुटी लालापुर में श्री कृष्ण जन्मोत्सव का किया गया आयोजन

**लालापुर।** जन्माष्टमी का त्योहार हर साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। भगवान श्रीकृष्ण के भक्तों को इस खास दिन का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस दिन लोग रात 12 बजे बाल गोपाल की पूजा करने के बाद व्रत खोलते हैं। भगवान विष्णु के 8वें अवतार भगवान कृष्ण ने कंस के कारागृह में देवकी की आठवीं संतान के रूप में जन्म लिया था।इसी क्रम लालापुर के रामजानकी कुटी में विगत वर्षों की भांति सोमवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी बड़े धूमधाम से मनाई जा गई है।रामजानकी जन कल्याण समिति के अध्यक्ष ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी के बारे में बताया कि श्री कृष्ण की मां देवकी शरीर की प्रतीक हैं और वासुदेव जीवन शक्ति अर्थात प्राण के। जब शरीर प्राण धारण करता है, तो आनंद अर्थात श्री कृष्ण का जन्म होता है।इस दौरान रामजानकी कुटी में क्षेत्रीय कलाकारों द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन किया गया।

# धूमधाम से मना कृष्ण जन्माष्टमी का त्यौहार, बजे घंटा घड़ियाल

## आरपीएफ बैरिक में हुआ कीर्तन भजन

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर रेलवे सुरक्षा बल की बैरिक स्थित राधे कृष्ण मंदिर पूरी साज सज्जा के साथ तैयार रहे। सोमवार को डीजे के साथ मंदिर के सजाने का अंतिम चरण भी पूरा हो गया। रात 12 बजे जन्मोत्सव मनाने की भव्य तैयारी के साथ जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया। इस दौरान शाम से ही भजन कीर्तन मंडली का प्रोग्राम चलता रहा।

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार जिले में धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही शहरी व ग्रामीण अंचलों में तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी थी। मंदिरों के साथ घर-घर भगवान श्रीकृष्ण की झांकियां सजाई गई। पूरे दिन बाजार में गहमागहमी रही। सोमवार को मंदिर परिसरों और घरों में लोग भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की आकर्षक झांकियां सजाने में व्यस्त दिखे।

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को धूम-धाम के साथ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के रूप में मना गया। जन्माष्टमी का पर्व पूरे जिले में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। घर-घर में भगवान श्रीकृष्ण की झांकी सजाई गई। रात को 12 बजे प्रभु के जन्म के बाद उत्सव मनाया गया। कई जगहों पर महिलाएं सोहर गाती दिखी। बाद में भगवान का विशेष पूजा अर्चन किया गया। हिंदू धर्म के सबसे खास त्योहारों में से एक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन लोग उपवास रखकर घर-परिवार की सुख समृद्धि और शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना करते हैं। उधर आर्य समाज मंदिर चौक में कृष्ण जन्माष्टमी पर यज्ञ हवन, भजन का आयोजन आर्य समाज के प्रशासक मण्डल द्वारा किया गया। मुख्य यजमान के रुप में वेद प्रकाश शर्मा ने पत्नी सहित यज्ञ में आहुति दी।

हवन पूजन के बाद श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में रवि कुमार आर्य, राजेश खण्डेलवाल, राम कृपाल, विनय सिंह, गोपाल, जवाहर लाल उमरवैश्य, अभिषेक बरनवाल, राम अंजोर, ओम प्रकाश, पंकज कौशल, ममता खण्डेलवाल, नीतू जायसवाल आदि लोग मौजूद रहे।

## भंडारे में उमड़ी भीड़, मंत्री समेत सैकड़ों ने लिया प्रसाद

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** शिवसत गांव में सई नदी के पावन तट के किनारे स्थित शंकर मंदिर पर आयोजित विशाल भंडारे में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री प्रोफेसर शिवकांत ओझा समेत अधिवक्ताओं, प्रबुद्ध जनों, बैंक कर्मियों और फोर्स के लोगों ने भंडारे का प्रसाद चखा। भक्त भालचंद्र सिंह, मंजय, कौशल, अवदेश यादव, संतोष, रिंकू, रोशन, विपुल, प्रशांत, अंकुर, वैभव, कल्लू, शुभम और सूरज सिंह श्रद्धालुओं तक प्रसाद पहुंचाने के पुनीत कार्य में लगे रहे। भंडारा देर रात तक चला।

## जन्माष्टमी पर महिलाओं ने गाया मंगलगीत

**अखंड भारत संदेश**

**परियावां, प्रतापगढ़।** श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पर्व पर सोमवार को ग्रामीणांचल क्षेत्र में धूमधाम से मनाने के लिए लोग सुबह से ही तैयारी में लगे रहे। दिरों के साथ घर-घर में भगवान श्रीकृष्ण की झांकियां सजाई गई। पूरे दिन परियावां बाजार में चहल पहल दिखाई दी। इस दौरान महिलाओं ने मंगल गीत गाया और कान्हा को फलाहार का भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया। बता दें कि संतान प्राप्ति, आयु और समृद्धि के लिए जन्माष्टमी पर्व का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मध्य रात्रि के समय कारागार में हुआ था, इसलिए लोग इस त्योहार में रात 12 बजे कान्हा जन्म उत्सव धूम धाम के साथ घण्टा घड़ियाल के साथ खुशी से मनाते हैं।

# टीकाकरण के लिए लोग अस्पताल का लगा रहे चक्कर

**वैक्सीन खत्म होने पर बैरंग लौट रहे लोग**

**अखंड भारत संदेश**

**परियावां, प्रतापगढ़।** सीएचसी कालाकांकर में महामारी के तीसरे चरण को देखते हुए लोग खुद सरकारी अस्पतालों प्राथमिक अस्पताल एनम सेंटर आंगनबाड़ी केंद्रों पर जाकर कोविड-19 वैक्सीन का टीका लगवा रहे हैं। शुक्रवार को कोविड 19 वैक्सीन का स्टॉक सीएचसी कालाकांकर में खत्म हो जाने से टीकाकरण कराने के लिये अस्पाल गए लोगो को बैरग वापस लौटना पड़ा। सीएचसी क्षेत्र के मिश्रपुर गांव के माँ भवानी मंदिर परिसर में ग्राम प्रधान राकेश सरोज व समाज सेवी एवं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मनोज कुमार ओझा ने चिकित्सा प्रभारी के सहयोग से कैम्प लगवाया जिसमे लगभग 300 लोगों का टीकाकरण किया गया।

इसी तरह परियावां के हवेली में लगभग चार सौ लोगो का टीकाकरण किया गया। इसी तरह क्षेत्र के बरियावां गाव में गाव के लोग टीकाकरण करने के लिए कैम्प लगाने का सहयोग चिकित्साप्रभारी से कर रहे है।

## धारूपुर में हुआ टीकाकरण

**बाघराय, प्रतापगढ़।** बिहार विकास खंड के धारूपुर गांव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाघराय की टीम सुमन शर्मा, रीता शर्मा, सुलोचना, संगीता चौधरी के नेतृत्व में प्राथमिक विद्यालय धारूपुर में कोविड-19 के तहत टीकाकरण कार्य संपन्न हुआ। ग्राम प्रधान आकाश सिंह ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। टीकाकरण को लेकर लोगों में उत्साह देखा गया।

वैक्सीन खत्म होने की जानकारी करने पर चिकित्साप्रभारी डॉ मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि जिले से जैसे ही वैक्सीन उपलब्ध हो जाएगी। टीकाकरण शुरू कर दिया जाएगा। अब गाव के लोग पूरी तरह वैक्सीन लगवाने के लिए जागरूक हो गए हैं। बस वैक्सीन आने के इंतजार में आस लगाए बैठे हुए है। सीएचसी में पहला व दूसरा डोज की वैक्सीन लगाने के लिए ग्रामीणों की लम्बी लाइन लगी रहती है।

# राजकुमारी पाल की स्मृति में बनेगा शिवाला मंदिर द्वार

**नौ लाख की लागत से बनने वाले द्वार की मिली स्वीकृतिः सदर विधायक**

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** सदर विधानसभा क्षेत्र के विकास के कड़ी में एक और कड़ी जुड़ने जा रही है। यह जानकारी सदर विधायक राजकुमार पाल ने देते हुए बताया कि नगर क्षेत्र के पूरे ईश्वर नाथ स्थित पौराणिक शिवाला मंदिर तक पहुंचने के लिए मीरा भवन के निकट एक भव्य द्वार की स्वीकृति मिल गई है, शीघ्र ही उस पर कार्य प्रारंभ होगा। उक्त द्वार करीब 9 लाख रुपए की लागत से निर्मित होगा।

विधायक ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर इस द्वार का निर्माण पूरे ईश्वर नाथ की प्रधान रही समाज सेविका राजकुमारी पाल के इस स्मृति में शिवाला मंदिर द्वार के नाम से बनेगा। इतना ही नहीं विधायक ने बताया कि शीघ्र ही पूरे ईश्वर नाथ का पौराणिक स्थल शिवाला मंदिर जहां हाईमास्क की रोशनी से जगमगाएगा, वहीं उक्त गांव के कई चौराहे व तिराहे के साथ ही सदर विधान सभा के एक सैकड़ा के करीब गांव शीघ्र ही हाईमास्क की दूधिया रोशनी से जगमगाएगा। उक्त गांव के विकास के लिए उपभोक्ता संरक्षण फोरम से गाय घाट मार्ग को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण हेतु पत्र लिखा गया है। उसकी भी स्वीकृति मिलते ही सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। विधायक ने कहां कि सदर विधानसभा को क्षेत्र को एक आदर्श विधानसभा का दर्जा दिलाने के लिए सदैव प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करते हुए विकास के मामले में पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। किसी भी स्तर पर कोई भेदभाव नहीं होगा।

## अल्पसंख्यक समुदाय के लिये छात्रवृत्ति योजना की आनलाइन प्रक्रिया प्रारम्भ

**प्रतापगढ़।** जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एस0एन0 तिवारी ने बताया है कि शैक्षणिक सत्र 2021-22 के अन्तर्गत अल्पसंख्यक समुदायों (मुस्लिम, सिक्ख, इसाई, जैन, बुद्ध, पारसी) हेतु तीन केन्द्रीय छात्रवृत्ति क्रमशः प्री-मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक व मेरिट-कम-मीन्स योजनाओं के अन्तर्गत आनलाइन प्रक्रिया प्रारम्भ हो गयी है। उन्होने बताया है कि प्री-मैट्रिक हेतु आनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 15 सितम्बर, पोस्ट मैट्रिक तथा मेरिट-कम-मीन्स हेतु आनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 30 सितम्बर है। विद्यालय/संस्थाओं स्तर से अग्रसारित करने की अन्तिम तिथि 15 दिसम्बर निर्धारित की गयी है। उन्होने बताया है कि प्री-मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक तथा मेरिट कम मीन्स योजनान्तर्गत आनलाइन आवेदन 18 अगस्त से प्रारम्भ हो गया है।

## स्कूल खुलने से पहले लगा गन्दगी का अंबार

**अखंड भारत संदेश**

**बिहारगंज, प्रतापगढ़।** सदर तहसील के बिहारगंज बाजार के प्राथमिक विद्यालय के बगल ही कूड़े का अम्बार लगा हुआ है। एक तरफ जहाँ केंद्र की मोदी सरकार व राज्य की योगी सरकार स्वच्छता अभियान के तहत तमाम तरह से लोगों को जागरूक करने का अभियान चला रही है, वही प्राथमिक विद्यालय के स्कूल के बगल ही गन्दगी का इस तरह से अम्बार लगा होना अधिकारियों को ग्राम प्रधान की लापरवाही का साफ असर दिखाई पड़ता है। जहाँ इस बार कोरोना महामारी की वजह से स्कूल खुलने से पहले सभी स्कूल को अच्छे से साफ सफाई व सैनेटाइजेसन करवाया जा रहा है वही बिहारगंज प्राथमिक स्कूल के बगल इस तरह की व्यापक गन्दगी फैली हुई है। इस तरह की गन्दगी से न सिर्फ कोविड बल्कि डेंगू व अन्य तरह की बीमारियों का फैलने का खतरा न सिर्फ स्कूल के बच्चों को बल्कि रह रहे सभी आम जन मानस के लिए खतरा बना हुआ है। हाइवे से अंदर स्कूल तक जाने वाला रास्ता भी बारिश के दिनों में नाली के समान हो जाता है जिससे स्कूल के बच्चों को आने जाने में बहुत दिक्कत होती है। कभी बच्चे फिसल कर गिर भी जाते है जिससे उन्हें काफी चोट भी आ जाती है, लेकिन इस तरफ न बिहारगंज के ग्राम प्रधान का कोई ध्यान है न ही किसी अधिकारियों को इस बात की चिंता है।

## एसडीएम से की गई मार्ग निर्माण में बाधा होने की शिकायत

**पट्टी, प्रतापगढ़।** आबादी की जमीन पर बन रहे चकरोड को तहसील का लेखपाल बनने नहीं दे रहे और चकरोड बनाने में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। पीड़ित ने इस मामले में उप जिलाधिकारी पट्टी को शिकायती पत्र देकर मामले में इंसाफ की गुहार लगाई है। तहसील क्षेत्र के ईशनपुर गांव के रहने वाले डॉक्टर के एम पांडे, श्याम बिहारी पांडे,कृष्ण बिहारी, अंकित पांडे ने उप जिलाधिकारी पट्टी को शिकायती पत्र देकर बताया कि रखहा से कंधई जाने वाले संपर्क मार्ग से निकलने वाला चकरोड ईशनपुर गांव में गया है। गांव का प्रधान इसी मार्ग पर खड़ंजा निर्माण किया जा रहा है, लेकिन गांव के ही रहने वाले पट्टी में कार्यरत लेखपाल अनावश्यक रूप से खड़ंजा निर्माण करने में रोड़ा बन रहे हैं। पीड़ित का कहना है कि अनावश्यक रूप से परेशान करने से निर्माण कार्य में बाधा पहुंच रही है जिससे गांव वालों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

# प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों को नपाध्यक्ष ने दिया प्रमाण पत्र

## मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों से किया वर्चुअल संवाद

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** नगर के हादीहाल (तुलसी सदन) में सोमवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद किया तथा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के कुल 2 लाख 853 लाभार्थियों को 1341.17 करोड़ रुपया आनलाइन हस्तानांतरण किया। मुख्यमंत्री के वर्चुअल संवाद के बाद नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह ने दस लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया। इस अवसर पर अध्यक्षा प्रेमलता सिंह ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ केन्द्र की कल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शी ढंग से लागू कर रहे हैं। इसी के तहत आज

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी तथा पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को लाभ मिला है। इस अवसर पर नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह ने लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि शहर में सही लाभार्थियों का चयन किया गया है जिन्हें आज उसका लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अध्यक्षा प्रेमलता सिंह के निर्देशन में योजनाओं का लाभ लाभार्थियों को देने का काम नगर पालिका कर रही है। अध्यक्षा के संवेदनशील दृष्टिकोण से प्रसन्न लाभार्थियों ने अध्यक्षा का स्वागत किया। इस अवसर पर शहर मिशन प्रबंधक डूडा आनंद प्रकाश मौर्य, नगर पालिका के महुली सभासद दीपक कुमार उमरवैश्य, अचलपुर के सभासद आशुतोष सिंह, सभासद आशीष जायसवाल, उदय शंकर भोला के अलावा नगर पालिका के कर्मचारी प्रशांत सिंह, मिथिलेश सिंह, शशांक, भाजपा की महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रुचि केसरवानी, जिला मंत्री यशोदा श्रीवास्तव सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

# आरएसएस ने मेडिकल कालेज को सौंपा 100 आक्सीजन सिलेण्डर

**मेडिकल कालेज के प्राचार्य ने जताया आभार**

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** वर्तमान में चल रहे कोविड संकट को दृष्टिगत रखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रतापगढ़ द्वारा सेव लाइफ फाउंडेशन और एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से 100 ऑक्सीजन सिलेंडर सोमवार को चिकित्सा महाविद्यालय को उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर जिला कार्यवाह डॉक्टर सौरभ पांडेय, सह नगर संघ

चालक नितेश खंडेलवाल ने चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर्य देश दीपक को ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराए। इस अवसर पर जिला प्रचार प्रमुख प्रभाशंकर पांडेय, जिला संपर्क प्रमुख सीतांशु ओझा और गंगा समग्र के जिला संयोजक प्रभात मिश्र भी उपस्थित रहे। विभाग प्रचारक प्रतोष ने कहा कि कोविड की संभावित तीसरी लहर को दृष्टिगत रखते हुए संगठन के द्वारा व्यापक तैयारी की जा रही है। जिला कार्यवाह डॉ सौरभ पांडेय ने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि किसी प्रकार की कोई विषम परिस्थिति न उत्पन्न हो। जिला कार्यवाह डॉ सौरभ पाण्डेय ने सेव लाइफ फाउंडेशन और एस बी आई फाउंडेशन के प्रति सहयोग प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। नगर संघ चालक और नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी नितेश खंडेलवाल के प्रति धन्यवाद जताया। प्राचार्य डॉ आर्य देश दीपक ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयास के प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि जन सुरक्षा हेतु यह एक महत्वपूर्ण और प्रभावी प्रयास और सहयोग है।

## ओवरलोड के चलते बार-बार फुंक रहा है ट्रांसफार्मर

**पट्टी, प्रतापगढ़।** ओवरलोड के चलते एक माह बाद लगा ट्रांसफार्मर फिर जल गया, जिससे उपभोक्ता बिजली के लिए परेशान हैं। पट्टी विद्युत उपकेंद्र से जुड़े उड़ैयाडीह पावर हाउस से उडैयाडीह चौराहे पर पेट्रोल पंप के समीप लगा 25 केवीए का ट्रांसफार्मर एक माह पूर्व जल गया था, जिसे दो दिन पहले शुक्रवार को नया लगाया गया, लेकिन अधिक लोड होने के कारण वह भी रविवार को सुबह जल गया जिससे उपभोक्ताओं व दुकानदारों को उमस भरी गर्मी में बिजली न मिल पाने के कारण भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

## युवकों ने किशोरी से किया दुष्कर्म, दो धराए

**अखंड भारत संदेश**

**बाघराय, प्रतापगढ़।** बाघराय थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग किशोरी को बाइक सवार दो युवकों ने बीती रात अगवा कर रास्ते में दुष्कर्म किया। उसके बाद बाइक पर बैठाकर प्रयागराज से मुंबई भागना चाहते थे। रास्ते में बाघराय पुलिस गश्त के दौरान एसआई वीरेंद्र सिंह को देखकर बाइक छोड़कर भागने लगे। इस पर पुलिस कर्मियों ने दौड़ा कर तीनों लोगों को पकड़ लिया। पकड़े गए युवकों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है। इधर किशोरी को पुलिस चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेजने की तैयारी कर रही है। किशोरी के पिता ने दो लोगों के विरुद्ध थाने में तहरीर दी है। बाघराय पुलिस ने दो लोगों के विरुद्ध बिभिन्न धाराओ में मुकदमा पंजीकृत करते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

## घर में घुसकर चोरों ने उड़ाए लाखों के जेवर व सामान

**अखंड भारत संदेश**

**परियावां, प्रतापगढ़।** जनपद के हथिगवां थाना क्षेत्र के पूरे तिवरान का पुरवा में बीती रात चोरों ने बड़ी घटना को अंजाम दिया। चोरो के हौसले इतने बुलन्द है कि उन्हें पुलिस का खौफ तनिक भी नही है तभी तो थाना क्षेत्र के तिवरान का पुरवा निवासी कन्हैया तिवारी के घर में बीती देर रात चोरों ने घर का दरवाजा तोड़कर लाखो रुपये के कीमती जेवर व नकदी और बर्तन पर हाथ साफ कर दिया। इतना ही नहीं, घर पर किराने की परचून की दुकान का ताला तोड़कर नकदी सहित हजारों का कीमती सामान चुरा ले गए। सुबह नींद खुलने पर कन्हैया लाल ने देखा तो सामान बिखरा देख शोर मचाया और पुलिस को तहरीर दी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

## पिस्टल व कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

**अखंड भारत संदेश**

**परियावां, प्रतापगढ़।** मानिकपुर उ0नि0 योगेन्द्र सिंह मय हमराही के साथ क्षेत्र चेकिंग के दौरान मुखबिर की खास सूचना पर थाना क्षेत्र के जाखामई नहर पुलिया के पास राम मनोहर सरोज पुत्र बिन्देश्वरी प्रसाद निवासी जाखामई थाना मानिकपुर को एक अदद अवैध पिस्टल 32 बोर व पांच अदद जिन्दा कारतूस 32 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगी के संबंध में थाना मानिकपुर पर अभियोग पंजीकृत किया गया।

# अस्पतालों में स्वच्छता पर रखा जाए विशेष ध्यान : सीडीओ

**सीडीओ की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न**

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** मुख्य विकास अधिकारी प्रभाष कुमार की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रानीगंज, कुण्डा, संग्रामगढ़, बाघराय, कोहड़ौर को कायाकल्प योजना के अन्तर्गत बेहतर प्रदर्शन के लिये स्वास्थ्य विभाग से 1-1 लाख रूपये का पुरस्कार दिया गया है एवं जिला महिला चिकित्सालय को 3 लाख का पुरस्कार दिया गया है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को कायाकल्प के मानकों के आधार पर विकसित किया जाये ताकि जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सके। अस्पतालों में स्वच्छता व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाये। बैठक में नियमित टीकाकरण की समीक्षा करते हुये माह जुलाई में जीरो फीडिंग किये जाने पर मुख्य विकास अधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। कोविड वैक्सीनेशन में जनपद में अच्छा कार्य किये जाने पर मुख्य विकास अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई देते हुये कहा कि सभी अधिकारी/कर्मचारी इसी प्रकार पूरी निष्ठा से आगे भी कार्य करते रहेंगे। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि पीकू यूनिट के लिये जनपद में 248 नये बेड की व्यवस्था की जा रही है जिसमें जिला अस्पताल में 42 नये बेड बनाये जायेगें। आक्सीजन प्लान की समीक्षा में सीएमओ द्वारा बताया गया कि जिला अस्पताल एवं सीएचसी पट्टी में शीघ्र ही आक्सीजन प्लान्ट का संचालन प्रारम्भ किया जायेगा तथा सीएचसी लालगंज व रानीगंज में शीघ्र ही प्लान्ट लगाये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

# विकास से कोसों दूर है ग्रामसभा भगवतीदासपुर

## कांग्रेस जिला महासचिव जजलाल राय ने लगाई चौपाल

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** कांग्रेस कमेटी के जिला महासचिव जजलाल राय ने कहा कि औराई विधानसभा क्षेत्र के ग्रामसभा भगवतीदासपुर गांव बुनियादी सुविधाओं से कोसों दूर हैं। ग्रामसभा भगवतीदासपुर की आबादी लगभग तीन हजार करीब है। जिसमें बिंद, कहार, कोहार, धोबी, दलित, ठाकुर, ब्राह्मण, यादव सहित विभिन्न लोग बसे हैं। सभी समाज के लोग विकास की राह देख रहे हैं। इस ग्राम सभा में गिने चुने लोगों को छोड़कर किसी के पास शौचालय नहीं है। गरीब लोगों के पास आवास नहीं है। विधवाओं का पेंशन नहीं बना हुआ है। विकलांगों का भी पेंशन नहीं बना है। वृद्धा पेंशन के लिए बुढ़ापा तरस रहे हैं। श्री राय ने कहा कि जल निकासी की व्यवस्था ना होने से जलजमाव ग्रामसभा भगवतीदासपुर में बना हुआ है। निकासी ना होने के नाते जगह-जगह बरसात के इकट्ठे गंदे पानी बदबू दे रहा है।शौचालय ना होने के नाते लोग बरसात के इकट्ठे पानी में ही बैठकर लोग शौच करने पर मजबूर हैं। श्री राय ने कहा कि दुख की बात तो यह है भगवतीदासपुर में कोई आज तक विधायक, सांसद देखने भी नहीं पहुंचा है। जबकि प्रदेश और केंद्र में भाजपा की सरकार है और भदोही जनपद में विधायक और सांसद भाजपा के हैं। ना तो उनको कोई आर्थिक सहायता मिला। लोग दर-दर भटक रहे हैं। गांव में कीचड़ युक्त रास्ते हैं। श्री राय ने कहा कि ग्रामसभा में आंगनबाड़ी केंद्र है। उस केंद्र से बच्चों और गर्भवती महिलाओं को आज तक कोई पोषाहार नहीं मिला है। श्री राय इस जनचौपाल में कांग्रेस पार्टी के नीतियों सिद्धांतों उद्देश्यों को बताकर लोगों को कांग्रेस पार्टी से जोड़ने का आवाहन किया। इस जन चौपाल में राहुल सिंह, फद्दू गोड, पंधारी बिंद, कबूतरा देवी, रामलाल प्रजापति, नंदलाल बिंद, मुकेश कुमार, आजाद, संजीत कुमार, श्यामधर, अमर बहादुर, टेढ़ई गोंड, आदि लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे।

# आवास के 11 और स्वनिधि योजना के 10 लाभार्थियों को मिला प्रमाणपत्र

## प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के दो लाख, 853 लाभार्थियों के खाते में भेजी गई 1341.17 करोड़ रुपये की धनराशि, सीएम ने लाभार्थियों से किया वर्चुअल संवाद

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** भारत सरकार के हाउसिंग फॉर ऑल के लक्ष्य की ओर एक मजबूत कदम बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में दो लाख, 853 लाभार्थियों को 1341.17 करोड़ रुपये का ऑनलाइन हस्तांतरण सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज किया। आवासीय योजना का लाभ देने के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल माध्यम से लाभार्थियों से सीधा संवाद भी किया। इसके अलावा सीएम ने पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों से भी बातचीत की।

कलेक्ट्रेट सभागार भदोही में विधायक भदोही रवींद्रनाथ त्रिपाठी, विधायक औराई दीनानाथ भाष्कर के साथ जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के द्वारा 11 प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के एवं 10 प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र आवंटित किया गया। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत जनपद में प्रथम किश्त के 1689 लाभार्थियों, द्वितीय किश्त के 2617 लाभार्थियों और तृतीय किश्त के 2231 लाभार्थियों के खाते में रकम हस्तांतरित की गई। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की बधाई दी। इस अवसर पर विधायक औराई दीनानाथ भाष्कर, विधायक भदोही रवीन्द्रनाथ त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार मिश्र, डूडा अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# श्री कृष्ण जन्म उत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** अंर्तराष्ट्रीय हिंदू परिषद भदोही जिला इकाई के तत्वाधान में श्री कृष्ण जन्म उत्सव कार्यक्रम के निमित्त भदोही नगर के श्री महादेव मंदिर के प्रांगण में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए काशी प्रांत महामंत्री तरुण शुक्ला ने कहा कि हमारे आराध्य भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम देश के सभी हिस्सों में धूमधाम से मनाया जा रहा है। जिसके लिए संगठन व्यापक ढंग से तैयारियां की है। हमारे बच्चे भगवान श्रीकृष्ण जी व राधा की बाल लीलाओं और उनके वाल रूप को दिखाया गया और बच्चे ही आगे कार्यक्रम को सफल बनाया। जिसके लिए हम सभी अंर्तराष्ट्रीय हिंदू परिषद के कार्यकर्ता आभारी हैं। बैठक में बोलते हुए संगठन के विभाग अध्यक्ष संतोष दुबे ने कहा कि बच्चे ही आगे मिशन के तहत अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद् भदोही के प्रमुख आयाम राष्ट्रीय महिला परिषद व ओजस्विनी के तत्वाधान में श्रीकृष्ण जन्म उत्सव कार्यक्रम के तहत 30 अगस्त की सुबह 11 बजे श्री राधा कृष्ण स्वरूप सज्जा प्रतियोगता का कार्यक्रम भदोही नगर के भरत पैलेस चौराहे के पास श्री महादेव मंदिर के प्रांगण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंर्तराष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष सुमन सिंह ने किया तथा संचालन ओजस्विनी परिषद की वर्तिका दुबे ने किया। बैठक में अंर्तराष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष रमाकांत त्रिपाठी, शिवमंगल सिंह, ओम प्रकाश मिश्रा, नरेंद्र बहादुर सिंह, दिवाकर मिश्रा, विनय यादव, उमेश सिंह, विजय पांडे, सूरज प्रकाश दुबे, इंदल सिंह, नरेंद्र बहादुर सिंह, अंभोज दुबे, कौशलेश गुप्ता, सुशील कुमार श्रीवास्तव, रामसेतु, राजेश शुक्ला, केपी गुप्ता, जितेंद्र दुबे, रोमेश दुबे आदि लोग उपस्थित रहे।

# युवाओ का आक्रोश बीजेपी को सत्ता से बेदखल करेगी : कांग्रेस

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व उत्तर प्रदेश के सहप्रभारी बाजी राव खाडे ने भदोही शहर के मूसीलाटपुर में कहा कि इस बार युवाओं का आक्रोश भाजपा को सत्ता से बेदखल करेगा। वह कांग्रेस नेता विरेन्द्र राय के माता के निधन पर राष्ट्रीय महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी का शोक संदेश लेकर उनके आवास पर आये थे। श्री खाडे ने कहा कि उत्तर प्रदेश की स्थिति बहुत खराब है। शासन की गलत नीतियों के कारण प्रदेश का सबसे बडा कालीन उद्योग बदहाली के दौर से गुजर रहा है। इस उद्योग से जुडे लाखों बुनकरों व मजदूरों के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। इस उद्योग को बढावा देने के लिए पूर्व की कांग्रेस सरकार ने कई सहुलियत कैश इन्सेन्टीव ड्राबैक व लाइसेन्स दिया था, जिसके वजह से इस उद्योग से जुडे सभी लोग आर्थिक रूप से मजबूत व खुशहाल थे। उसके बाद प्रदेश की गैर काग्रेसी सरकारों की गलत नीतियों के कारण इस उद्योग को मिलने वाली सभी सहुलियतों को एक-एक करके खत्म कर दिया गया। जिसके वजह से कालीन उद्योग संकट में है और इसके लिए स्थानीय भाजपा सांसद व विधायक मुख्य रूप से जिम्मेदार है। इस मौके पर राजेन्द्र कुमार दूबे, जिला अध्यक्ष माबूद खां, मुशीर इकबाल, सुरेश मिश्रा, संजीव दूबे, स्वालेह अंसारी, बृजेंद्र राय बाबा, विकास राय, आदित्य राय, सौरभ दूबे आदि मौजूद रहे।

# पौधरोपण का कार्यक्रम आज

अखंड भारत संदेश

**सुरियावां।** क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय खरगपुर योग कक्षा में मंगलवार को सुबह 5 बजे से 7 बजे तक पौधरोपण का कार्यक्रम होगा। जिसमें पतंजलि योग समिति के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। यह जानकारी सुरियावां ब्लाक के पतंजलि योग समिति के ब्लाक प्रभारी डा. शीतला प्रसाद यादव ने दी।

# विधायक ने किया ओवरब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण

## कार्यदाई संस्था को समय से कार्य पूरा करने का दिया निर्देश

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** नगर के अहमदगंज गजिया में हो रहे ओवरब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के लिए सोमवार को विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अशोक कुमार जायसवाल के साथ पहुंचे। उन्होंने कार्यदाई संस्था से बातचीत कर समय से काम पूरा करने का निर्देश दिया।

इस मौके विधायक श्री त्रिपाठी वहां पर चल रहे ओवरब्रिज निरीक्षण कार्य का निरीक्षण कर जायजा लिया। युद्ध स्तर पर हो रहे काम को देख विधायक संतुष्ट नजर आए। उन्होंने कार्यदाई संस्था के कर्मचारियों को बुलाकर बातचीत की और जानकारी लिया। उन्होंने कहा कि युद्ध स्तर पर कराते हुए समय से पूरा कराएं। ताकि ओवरब्रिज का निर्माण होने के बाद जनता को समर्पित किया जा सके। श्री त्रिपाठी ने कहा कि ओवरब्रिज का निर्माण हो जाने के बाद लोगों को काफी सहुलियत हो जाएगी। भदोही जो दो भागों में बट गया है। वह फिर से एक हो जाएगा। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता विनीत बरनवाल, मो.अली सिद्दिकी, प्रिंस गुप्ता आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

# सपा मुखिया के भदोही आगमन से कार्यकर्ता उत्साहित : जाहिद

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** शिक्षक दिवस 5 सितंबर को जिले के सेमराधनाथ स्थित इनार गांव डूहियां में सपा मुखिया अखिलेश यादव के आगमन को लेकर विस इकाई ने सोमवार को कस्तूरीपुर में बैठक कर कार्यक्रम सफला के लिए रणनीति बनाई।

बैठक की अध्यक्षता विस अध्यक्ष संतोष यादव ने किया। बैठक को संबोधित करते पूर्व विधायक जाहिद बेग ने कहा कि सपा मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का भदोही आगमन हो रहा है। आगमन शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए हो रहा है। बहुत ही खुशी का अवसर है। ऐसे में कार्यक्रम सफलता व सपा मुखिया के विचारों को सुनने के लिए कार्यकर्ताओं व आमजन

### विस इकाई ने बैठक कर कार्यक्रम की सफलता व स्वागत की रणनीति बनाई

की उपस्थित अधिक से अधिक रहे यह कार्यकर्ताओ की जिम्मेदारी है। बैठक में लोगों ने अपने अपने क्षेत्र से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या की उपस्थिति की बात कही। बैठक में पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमापति यादव, मुन्नू मौर्य, रमाशंकर बिंद, मुन्नाराम यादव, समरजीत यादव, कमलेश प्रजापति, अवधेश यादव, संतलाल यादव, इमरान खां, डा.दयाराम, जितेंद्र यादव, अच्छे लाल सरोज, आनंद पाल, कुश यादव, राहुल यादव, जितेंद्र यादव, कैलाश यादव, कृष्णा यादव, सर्वेश यादव आदि उपस्थित रहे।

# पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की याद में शोकसभा

**चौरी/भदोही।** क्षेत्र के पल्हैया स्थित प्राथमिक विद्यालय पर भाजपा चौरी मंडल अध्यक्ष दिलीप कुमार यादव के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की याद में एक शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। शोक सभा में कल्याण सिंह के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। कहा कि श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर की आधार शिला रखने वाले कल्याण सिंह जी थे। उन्होंने लाख दबाव के बाद भी कार सेवको को पर गोलीबारी नही करवाई। ऐसे महान नेता सदी में कभी कभी जन्म लेते हैं। वही शोक सभा मे उनके जीवन को याद कर सभी कार्यकर्ताओं की आँखे नम हो गयी। शोक सभा में जिला कार्य समिति सदस्य राकेश कुमार दुबे, लड्डू तिवारी, दिनेश सिंह, अंकित दुबे, राकेश मिश्रा, अमित उपाध्याय, विष्णु उपाध्याय, दिलीप यादव, जय कुमार, सुनील सिंह आदि रहे।

# सीईपीसी चुनावःकालीन इंडस्ट्री के लिए हर वोट कीमती : सूर्यमणि

### दो सितंबर से होगा सीईपीसी का चुनाव, नौ सितंबर तक चलेगी आनलाइन वोटिंग

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** कालीन इंडस्ट्री के लिए अलग से बनाई गई संस्था सीईपीसी का चुनाव आगामी सितंबर माह में कराया जाएगा। इसके लिए तैयारियां जोरों पर हैं। कालीन उद्यमी भी अपनी ताकत लगा रहे हैं।इसी कड़ी में भदोही के कालीन व्यापारी व सूर्या इंडस्ट्री के प्रोप्राइटर सूर्यमणि तिवारी ने लोगों से समझ-बूझकर वोटिंग की अपील की है। अपने संदेश में सूर्यमणि तिवारी ने कहा कि कालीन इंडस्ट्री में केंद्र सरकार की संस्था सीईपीसी का बहुत महत्व है। इसके जरिए कालीन व्यवसाय से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान किया जाता है। ऐसे में इसके प्रतिनिधियों के चुनाव भी बड़ी ही सावधानी और सोच-समझकर किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि इस चुनाव में एक-एक वोट कीमती है। तिवारी ने कहा कि मौजूदा समय में कालीन उद्योग भारी संकट से जूझ रहा है। निर्यात से लेकर कई ऐसी समस्याएं हैं, जिनका निराकरण अभी होना शेष है। इसके लिए हम सभी प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में होने वाले सीईपीसी के चुनाव के लिए उन्होंने एक कमेटी बनाई है, जिसमें उद्योग से जुड़े मानिंद लोगों को शामिल किया गया है। इस कमेटी में अनुभव के साथ-साथ युवा ऊर्जा को भी तरजीह दी गई है।

सूर्या कारपेट, ऊगापुर के प्रोप्राइटर सूर्यमणि तिवारी ने बताया कि इस कमेटी में दिल्ली से कैप्टन मुकेश, राजा शर्मा, बोधराम महलोत्रा, बृजेंद्र सिंह, जम्मू से कुलदीप, गुलाम नबी भट्ट, भदोही से वासिफ अंसारी, अनिल सिंह, फिरोज, श्रीराम मौर्य, असलम महमूद, मोहित गुप्ता, इम्तियाज अंसारी आदि जुड़े हुए हैं। सीपीईसी की आनलाइन वोटिंग दो से नौ सितंबर के बीच होगी। इसके लिए सभी मतदाताओं को आनलाइन नंबर और पासवर्ड उपलब्ध कराया गया है।

# नपा सभागार में लोगों ने सुनी सीएम के संवाद को

**भदोही।** सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को वर्चुअल माध्यम से हाउसिंग फार ऑल के लक्ष्य की ओर एक मजबूत कदम के तहत प्रधानमंत्री मंत्री योजना शहरी एवं पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री के इस संवाद कार्यक्रम को सुनने व देखने के लिए नगर पालिका परिषद सभागार में पालिकाध्यक्ष अशोक कुमार जायसवाल के साथ नगर के काफी संख्या में सभासद भी मौजूद रहे। इस दौरान पालिकाध्यक्ष ने बताया कि सरकार की यह दोनों महत्त्वाकांक्षी योजनाओं में सुमार है। जिससे समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोग भी लाभान्वित हुए हैं।

# सपा मुखिया के विकासवादी विचार से प्रेरित हो रहे युवा : विकास

अखंड भारत संदेश

### शिक्षित समाज जाति धर्म से ऊपर उठ कर 2022 विस चुनाव में भाजपा को सत्ता से करेगी बेदखल

**भदोही।** सपा मुखिया व पूर्व सीएम अखिलेश यादव का 5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर भदोही आगमन को लेकर कार्यकर्ता उत्साहित है। छात्र नेता तो सपा के नीतियों से प्रेरित होकर सदस्यता भी ग्रहण कर रहे हैं। सपा जिलाध्यक्ष विकास यादव ने कहा कि शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित करने सपा मुखिया भदोही आ रहे है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सपा मुखिया का शिक्षक प्रेम व विकासवादी निति इस बात का नजीर है कि आज इंसान के जीवन में शिक्षा का बड़ा महत्व है। शिक्षा के बल पर ही समाज तरक्की की राह प्रशस्त कर सकता है। जिले में शिक्षा के महत्व को लेकर सपा सभी को जागरुक भी कर रही है। साथ ही भाजपा के बाटो व राज करो निति से भी जनता को आगाह किया जा रहा है। जनता भी भाजपा को समझ चूकी है। 2022 विधानसभा चुनाव में अब भाजपा का झूठ खोटा सिक्का साबित होगा।

मायाबी भाजपा तो देश में अशिक्षा ही चाहती है ताकि लोग अशिक्षित रह कर हिंदू मुस्लिम जाती धर्म के नाम पर ढोग व पाखंड में फस कर रह जाये। कहा भाजपा वही पुरानी निति अमीर और अमीर व गरीब और गरीब वाली पालिसी चाहती है। लेकिन देश में शिक्षित समाज भाजपा को सत्ता से बेदखल करने जा रही है। कहा कि पिछले चुनाव में भाजपा का जनता से किया गया वादा पूरे पांच साल के कार्यकाल में झूठ का पुलिंदा साबित हुआ है। न तो विकास का कोई नया कार्य हुआ और न ही पूर्व की संचालित योजनाओ को ही पूरा किया। अपराध का ग्राफ चरम पर है। मंहगाई आसमान छू रही है। पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। जबकि इसके पूर्व में रही समाजवादी सरकार में भदोही से लेकर पूरे प्रदेश में विकास और आम जनता की खुशहाली की दिशा में अनेकों बुनियादी योजनाओ को धरातल पर साकार रूप दिया गया। कहा कि सपा मुखिया के भदोही आगमन को लेकर कार्यकर्ता काफी उत्साहित हैं।

# नई शिक्षा नीति स्वरोजगार को बढ़ावा देने में सक्षम

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा नई शिक्षा नीति विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ नीतू सिंह एसोसिएट प्रोफेसर गृह विज्ञान विभाग हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नैनी प्रयागराज रहीं। प्राचार्य प्रो डॉ मुरलीधर राम ने मुख्य वक्ता डॉ नीतू सिंह को ई-स्मृति चिन्ह देकर स्वागत और सम्मान किया। प्राचार्य ने बताया नई शिक्षा नीति समावेशी लचीला तकनीकी और कौशल आधारित है। उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम प्रयोग कर के नई शिक्षा नीति के उद्देश्य को प्राप्त कर सकते हैं। मुख्य वक्ता डॉ नीतू सिंह ने बताया कि नई शिक्षा नीति समावेशी और स्वरोजगार को बढ़ावा देने में सक्षम है। उन्होंने इस वर्ष से लागू हो रहे इस नीति के तहत प्रवेश कार्य, मूल्यांकन शिक्षण कार्य आदि की प्रक्रिया और आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया। बताया कि छात्र के पास अधिक से अधिक विकल्प उपस्थित होंगे। जिनका लाभ छात्र बुद्धिमत्ता बढ़ाने सामाजिक जिम्मेदारी के निर्वहन और तकनीकी और कौशल विकास हेतु कर सकता है। महाविद्यालय में शिक्षण कार्य के अतिरिक्त अन्य अकादमिक गतिविधियां जैसे कार्यशाला सेमिनार इत्यादि छात्र कल्याण एक्स्ट्रा करिकुलर गतिविधियों पर अधिक से अधिक फोकस किया जाएगा। छात्र एक से अधिक संकाय से विषय का चुनाव कर सकेगा। साथ ही वह पढ़ाई भी कभी भी, कहीं से भी शुरू कर सकता है। उसके द्वारा अर्जित अंक अकादमिक बैंक खाते में जमा होते चले जाएंगे।

# बूथ सत्यापन अभियानःमंडल अध्यक्ष को सौंपे गए दस्तावेज

## कार्यकर्ताओं के घर चस्पा किया गया स्टीकर

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर जनपद में बूथ सत्यापन कार्यक्रम पिछले 25 अगस्त से अनवरत चलाया जा रहा है। यह अभियान आगामी 31 अगस्त तक चलेगा। इस अभियान के तहत रविवार को असनाव मंडल के झिंगुरपुर शक्ति केंद्र के बूथ संख्या 259, 260 273, 274 और 275 पर बूथ सत्यापन का कार्य पूर्ण किया गया।

बूथ सत्यापन कार्यक्रम के पश्चात मंडल अध्यक्ष वेद प्रकाश मौर्य को समस्त दस्तावेज सौंपे गए। इसके अलावा 'मेरा घर भाजपा का घर' का स्टीकर सभी भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के आवास पर चस्पाकर भारतीय जनता पार्टी के केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की चर्चा की गई। इस अवसर पर रोहित कुमार पांडेय, वेद प्रकाश मौर्य, चंदन कुमार पांडेय (मंडल महामंत्री), विनय कुमार पांडेय (सेक्टर संयोजक), अनुभवी बूथ अध्यक्ष जयराम राय, श्रीज्ञानधर मिश्र, संजीव कुमार गुप, प्रदीप कुमार उपाध्याय, मुकेश तिवारी उपस्थित रहे।

# पिछड़ रहे यूपी के निर्यात को बढ़ावा मिलना जरूरी

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** सीईपीसी प्रशासनिक समिति के 17 सीटो पर होने वाला इलेक्ट्रानिक मतदान 2 सितंबर से 9 सितंबर के बीच है। चुनावी मैदान में भदोही के कालीन निर्यातक अशलम महबूब से विशेष वार्ता में उन्होंने बताया कि हमारा चुनाव लड़ने का उद्देश्य यूपी के निर्यात को बढावा दिलाना है। कहा चिंतनीय है कि यूपी का निर्यातक पिछड़ रहा है। कालीनो में प्रयुक्त होने वाले कच्चे माल की कीमत बढ रही है। सरकार से सहयोग कम मिल रहा है। उद्योग आगे बढे सरकार से सुविधा बढे इसके लिए चुनाव मैदान में आया हू।अशलम महबूब ने कहा कि देश का व्यापार बढ रहा है लेकिन प्रदेश का व्यापार कम हो रहा है। हमारी टीम इस बार के चुनाव में रोडटेप सहित विभिन्न मुद्दो को लेकर चुनाव मैदान में है। हमारी टीम में यूपी से लेकर दिल्ली तक के सभी सीटो पर मजबूत प्रत्यासी है। टीम में सूर्यमणि तिवारी, वासिफ अंसारी, अनिल कुमार सिंह, फिरोज वजीरी, श्रीराम मौर्य, अशलम महबूब, रोहित गुप्ता, इम्तियाज अहमद, दर्पण बरनवाल, कुलदीप वाटल,गुलाम नबी भट्ट, सेख आसिक, कैप्टन मुकेश, महाबीर राजा शर्मा, बोधराज मल्होत्रा, विजेंद्र सिंह जगलान आदि शामिल है।

## सम्पादकीय

# कांग्रेसी चक्रवात

पिछले करीब दो वर्षों से पूर्णकालिक अध्यक्ष के बगैर चल रही कांग्रेस की अंदरूनी समस्याएं कम होने का नाम ही नहीं ले रहीं। जैसे-तैसे करके पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री बनाए रखते हुए सिद्धू को प्रदेश अध्यक्ष पद सौंप कर मामले को सेटल किया गया कि इतने में छत्तीसगढ़ से शोर सुनाई देने लगा। पिछले करीब दो वर्षों से पूर्णकालिक अध्यक्ष के बगैर चल रही कांग्रेस की अंदरूनी समस्याएं कम होने का नाम ही नहीं ले रहीं। जैसे-तैसे करके पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री बनाए रखते हुए सिद्धू को प्रदेश अध्यक्ष पद सौंप कर मामले को सेटल किया गया कि इतने में छत्तीसगढ़ से शोर सुनाई देने लगा। वहां भूपेश बघेल के मुख्यमंत्रित्व को उन्हीं के एक मंत्री टीएस सिंह देव चुनौती दे रहे थे। बघेल को दो बार दिल्ली आना पड़ा। उसके बाद दावा किया गया कि वही सीएम रहेंगे और छत्तीसगढ़ में कोई समस्या नहीं है। इसी बीच पंजाब में फिर हालात बेकाबू होने लगे। मुख्यमंत्री के खिलाफ नए सिरे से उठ खड़े हुए कुछ असंतुष्ट मंत्रियों को तो समझा-बुझाकर शांत कर दिया गया, विवादित बयान देने वाले नए प्रदेश अध्यक्ष के सलाहकार का पद से हटना भी सुनिश्चित कर लिया गया, लेकिन इसका क्या किया जाए कि खुद अध्यक्ष ही पार्टी को धमकाने लग जाए।

पंजाब में इस पार्टी के सामने यह विचित्र स्थिति हो गई है कि इसके नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने खुला ऐलान कर दिया है कि अगर उन्हें फैसले लेने की आजादी नहीं दी गई तो वह ईंट से ईंट बजा देंगे। पार्टी ने फिलहाल यह कहकर मामले पर लीपापोती की कोशिश की है कि उनके बोलने का ढंग ही कुछ ऐसा है, लेकिन देखना होगा कि ऐसा बोलने वाले अध्यक्ष से पार्टी कितना और कब तक निभा पाती है और कितना नुकसान झेलने के बाद कैसे छुटकारा पाती है। बहरहाल, मामला किसी एक या दो राज्य का नहीं है। कांग्रेस लगभग हर राज्य में किसी न किसी तरह की संगठनात्मक चुनौती का सामना कर रही है। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच का घोषित विवाद अभी तक पूरी तरह सुलटा नहीं है। पायलट खेमा जहां अपने पुनर्वास का इंतजार कर रहा है और इसमें हो रही देर को लेकर समय-समय पर अपनी बेचैनी प्रकट करता रहता है, वहीं गहलोत खेमा अब भी इस बात पर अड़ा हुआ है कि पार्टी नेतृत्व बीजेपी की सरकार गिराने की साजिश को नाकाम करने वाले वफादारों की कीमत पर गद्दारों को बढ़ावा न दे। महाराष्ट्र में प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के बयान जब-तब पार्टी का सिरदर्द बनते रहते हैं। इस कारण न केवल पार्टी के अंदर बल्कि महाविकास गठबंधन के अन्य घटक दलों के साथ रिश्तों में भी तनाव पैदा होता रहता है। चाहे दक्षिण का केरल और कर्नाटक हो या उत्तर का जम्मू कश्मीर या फिर पूर्वोत्तर का असम- कोई क्षेत्र ऐसा नहीं है जहां पार्टी संगठन असमंजस और अनिश्चितता से उपजी चुनौतियों से न जूझ रहा हो। राष्ट्रीय स्तर पर अपना असंतोष खुलकर प्रकट कर चुका जी-23 नेताओं का ग्रुप तो है ही। इन समस्याओं को टुकड़ों में देखने से काम नहीं चलेगा। यह समझना होगा कि इन सबका मूल पार्टी नेतृत्व के अपने असमंजस, अपनी अनिश्चितता में है।

# श्रीकृष्ण की धर्म नीति पर चलकर ही जीवन में हर कदम पर विजय मिलती है

**डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र**

जब-जब धर्म अपने लोक मंगलकारी स्वरूप को खोकर मूर्खतापूर्ण अंधी-रूढ़ियों के मकड़जाल में जकड़ कर अपनी शक्ति खोने लगता है तब-तब समाज में कोई राम, कोई कृष्ण, कोई शंकराचार्य, कोई गोविंदसिंह अथवा विवेकानंद जन्म लेकर धर्म के मर्म को पुर्नव्ख्यायित करता है। लोकजीवन में 'धर्म' शब्द जितना अधिक सुपरिचित है उसका अर्थ-बोध उतना ही अधिक व्यापक एवं गूढ़ है। अर्थ-विस्तार की दृष्टि से धर्म मानव-जीवन के उन समस्त पक्षों का सम्यक् संवहन करता है, जो जीवन को रचनात्मकता एवं सुंदरता की ओर अग्रसर करते हैं किंतु अर्थ-संकोच की दृष्टि से धर्म विशिष्ट विश्वास-प्रेरित पूजा-पद्धति के अर्थ में रुढ़ हो गया है। जनसामान्य धर्म को इसी रुढ़ अर्थ में ग्रहण करता है। धर्म लोक-व्यवहार, सदाचार और मानवीय-गरिमा की संरक्षक मर्यादाओं के निर्देशन एवं पालन की संज्ञा है। धर्म का मूल-तत्व लोकमंगल है। प्रायः विश्व के सभी धर्मों के मूल में लोकमंगल की प्रेरणा ही सक्रिय रही है किंतु मानव-सभ्यता के इतिहास में जब-जब व्यापक लोकमंगल की उपेक्षा करके मनुष्य ने निजी स्वार्थों और अपनी सहज दुर्बलताओं के तटबंधों में बंधकर धर्म की निर्मल जलधारा को रुढ़ियों के बंधन में बांधा है तब-तब धर्म अपनी सार्थकता खोकर समाज के पतन का कारण बना है और इतिहास के पृष्ठ कलंकित हुए हैं। भीष्म एवं द्रोण आदि महारथियों की रूढ़िबद्ध धार्मिकता ने द्रौपदी के चीर-हरण को चुपचाप सहकर समाज को महाभारत युद्ध की ओर धकेला। निहित स्वार्थों के लिए समर्पित धृतराष्ट्र की अंधी राज्य-लिप्सा और अपरिमित पुत्रमोह को बल भीष्म की प्रतिज्ञा-पालन की रुढ़ि को धर्म समझने और द्रोण के 'नमक का मूल्य चुकाने की' धार्मिक रुढ़ियुक्त अविवेकपूर्ण राजभक्ति' से मिला। भागते हुए शत्रु पर प्रहार न करने को ही बिना विचार किए धर्म मान लेने की मूर्खतापूर्ण धर्मरुढ़ि आक्रांता मोहम्मद गोरी को प्राणदान दिलाकर अंततः विजेता पृथ्वीराज के ही नाश का कारण नहीं बनी अपितु उसने समस्त भारतीय समाज के राजनीतिक-सांस्कृतिक जीवन को काँटों के पथ पर धकेल दिया। 'हमारे विश्वास ही सर्वश्रेष्ठ हैं और समस्त विश्व के मानव समुदाय को हम अपने ही विश्वासों के रंग में रंग लेंगे'-- इस कथित धर्मप्रियता के कारण आज के वैज्ञानिक दृष्टि संपन्न समाज में भी आतंकवाद और धर्मांतरण के काले कुचक्र चल रहे हैं और धर्म का मूल तत्व लोकमंगल घायल है।जब-जब जीवन के धरातल पर धर्म अपने लोक मंगलकारी स्वरूप को खोकर मूर्खतापूर्ण अंधी-रूढ़ियों के मकड़जाल में जकड़ कर अपनी शक्ति खोने लगता है तब-तब समाज में कोई राम, कोई कृष्ण, कोई शंकराचार्य, कोई गोविंदसिंह अथवा विवेकानंद जन्म लेकर धर्म के मर्म को पुर्नव्ख्यायित करता है-- समाज को दिशा देता है। यही 'यदा यदा ही धर्मस्य... का शाश्वत रहस्य है। जो व्यक्ति विवेक की कसौटी पर कसकर कर्तव्य-अकर्तव्य का विचार करके कर्म को लोक-कल्याण की दिशा में नियोजित करता है, वही सच्चा धार्मिक है; महापुरुष है; अवतार है, पूज्य है। श्री कृष्ण भी ऐसे ही लोकवन्द्य महापुरुष हैं। उन्होंने अपने युग में धर्म के नाम पर पल्लवित रूढ़ियों से संरक्षित शोषक-शक्तियों का विनाश कर मानवीय-गौरव को प्रतिष्ठित किया। उनके द्वारा उपदेशित गीता का ज्ञान मनुष्य के धार्मिक तत्व-चिंतन का वह उज्ज्वल आलोक है जिसका स्पर्श पाकर जटिल और गूढ़ धर्मतत्व से उत्पन्न भ्रांतियाँ स्वतः नष्ट हो जाती हैं तथा जीवन नैतिक-मानमूल्यों के अनुरूप भौतिक और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर लेता है। श्रीकृष्ण ने बाल्यकाल से ही धार्मिक-रूढ़ियों पर प्रहार कर लोकजीवन को प्राकृतिक सहज-पथ की ओर निर्देशित किया। इंद्र-पूजा से गोवर्धन-पूजन की परम्परा का प्रारंभ जीवन के पोषक प्राकृतिक-तत्वों के प्रति कृतज्ञता-ज्ञापन का पुनप्रर्तिष्ठापन है। सामाजिक-जीवन में श्रीकृष्ण पग-पग पर नए लोकमंगलकारी धर्म के असंख्य अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। जन-सामान्य की दृष्टि में अपने से बड़े पद पर आसीन व्यक्ति अथवा संबंधी पर प्रहार अधर्म हो सकता है किन्तु कृष्ण की दृष्टि में यदि ऐसा व्यक्ति अपने धर्म का पालन

नहीं करता और समाज के लिए संकट उत्पन्न करता है तो सर्वथा वध्य है। कंस ने अपने पिता महाराजा उग्रसेन को बंदी बनाकर पुत्रधर्म के विरुद्ध आचरण किया। बहिन देवकी और बहनोई वसुदेव को त्रास देते हुए अपने भान्जों का वध करके सामाजिक सम्बंधों की मर्यादा तार-तार कर दी और मथुरा की प्रजा को आतंकित कर राजधर्म का अनादर किया। ऐसा कंस कृष्ण की धर्म-दृष्टि के अनुसार सर्वथा वध्य बन गया जबकि राजा और मामा होने के कारण वह कृष्ण के लिए धर्मरूढ़ि से सर्वथा अवध्य और सेव्य सिद्ध होता है। श्रीकृष्ण की क्रांतिकारिणी लोकमंगलमुखी धर्मदृष्टि विवेकानुसार निर्णय कर उनके द्वारा कंस का वध कराती है और लोकहित को रक्त सम्बंधों पर वरीयता देती है। प्रचलित सामाजिक मान्यता के अनुसार युद्ध में पीठ दिखाना अधर्म है, कायरता है और निन्दनीय कृत्य है। स्वयं श्रीकृष्ण भी युद्ध से पलायन को अधर्म और अनुचित कार्य कहते हैं- 'क्लैव्यं मा स्मगमः पार्थ'--हे अर्जुन ! क्लीवता (नपुंसकता) को प्राप्त मत हो। यह तुम्हारे लिए उचित नहीं है। इस प्रकार वे युद्ध से विरत अर्जुन को युद्ध में नियोजित करते हैं किन्तु स्वयं युद्ध से पलायन करके एक नयी धर्म-दृष्टि प्रस्तुत करते हैं। युद्ध को यशरूप स्वर्ग का खुला द्वार बताने वाले श्रीकृष्ण मथुरा पर जरासंध के बार-बार होने वाले आक्रमणों के निवारण के लिए स्वयं 'रणछोड़' बन जाते हैं। युद्ध कहां करना है और कहां टालना है, युद्ध कब अपरिहार्य-अनिवार्य है और कहां परिहार्य, वह कब धर्म है और कब अधर्म-- इसका निर्णय कृष्ण की सतर्क और सचेत धर्मबुद्धि मानवीय-अस्मिता तथा व्यापक लोकहित की दृष्टि से करती है। व्यक्तिगत स्वार्थों और निजी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए युद्ध अधर्म है, पाप है किन्तु यदि नैतिक-मूल्यों की रक्षा के लिए, शोषक-शक्तियों के विनाश के लिए युद्ध करना पड़े तो वह निश्चय ही धर्म बन जाता है। कृष्ण की यह धर्म दृष्टि सर्वथा अभिनव है, स्तुत्य है क्योंकि उसमें मनुष्य का व्यापक हित सन्निहित है।शोषक एवं अत्याचारी सत्ता द्वारा प्रताड़ित पीड़ित की रक्षा करना समर्थ मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है। सर्वथा असहाय द्रोपदी की अप्रत्यक्ष रूप से रक्षा करके श्री कृष्ण धर्म का यह पक्ष प्रतिष्ठित करते हैं। कुरुराज सभा के बड़े-बड़े धर्मज्ञ जब दुर्योधन की निरंकुश दुरभिलाषाओं और निर्बाध ईर्ष्या की पुष्टि में मौनधारण को ही धर्म मान लेते हैं तब श्रीकृष्ण की अप्रत्यक्ष सहायता धर्म की सर्वोत्तम परिभाषा 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई' को सशक्त आधार प्रदान करती हुई निर्दोष पीड़ित पक्ष को संरक्षण देती है। धर्म की रूढ़ियाँ धृतराष्ट्र और दुर्योधन आदि के लिए दृढ़-कवच प्रदान करती हैं; ढाल बनती हैं। वे यह भली-भांति जानते हैं कि धर्मपालन की स्वनिर्मित रूढ़ियों में बंधे भीष्म और द्रोण जैसे महारथी प्रत्येक परिस्थिति में उनका ही साथ देंगे और इन महावीरों के रहते प्रतिपक्षी पाण्डवों की विजय के लिए कोई संभावना शेष नहीं रह जाती। कदाचित उन्हें यह भी विश्वास था कि धर्म-पालन के रुढ़ फंदे में फंसे पाण्डव-- विशेषतः युधिष्ठिर कथित एवं प्रचलित युद्धनीति से अलग हटकर कभी युद्ध नहीं करेंगे; वे गुरुजनों पर शस्त्र कभी नहीं उठाएंगे और युद्ध कभी होगा ही नहीं। शकुनि के प्रपंचों से उन्हें अनन्तकाल तक अधिकार-वंचित और अपमानित जीवन जीने को विवश बनाया जा सकता है। कौरव और उनके हितैषी यह अनुमान लगाने में विफल रहे कि युगपुरुष महामानव श्री कृष्ण युद्ध की प्रचलित तथाकथित धर्मनीतियों से अलग हटकर भी धर्म के नए प्रतिमान रच सकते हैं। श्रीकृष्ण ने भीष्म-द्रोण-कर्ण और दुर्योधन के संदर्भ में युद्ध के धर्म को नयी दिशा दी क्योंकि उसके बिना अधर्म, अन्याय और अपराध का अंत असंभव था। महाकवि दिनकर ने 'रश्मिरथी' में कर्ण-वध के अवसर पर कृष्ण-अर्जुन संवाद में धर्म के इस नए रूप को सशक्त स्वर दिया है। धरती में धंसे रथ-चक्र को निकालने में व्यस्त निशस्त्र कर्ण पर वाण-संधान करने का निर्देश पाकर अर्जुन हिचक जाते हैं और कृष्ण से पूछते हैं-

**''नरोचित किन्तु क्या यह कर्म होगा ?**
**नहीं इससे मलिन क्या धर्म होगा ?''**
**अर्जुन की इस जिज्ञासा पर कृष्ण का उत्तर विस्मयजनक है; अद्भुत है-**
**''हंसे केशव, वृथा हठ ठानता है,**
**अभी तू धर्म को क्या जानता है ?**
**कहूँ जो पाल उसको धर्म है यह।**
**हनन कर शत्रु का सदधर्म है यह।।**
**क्रिया को छोड़, चिंतन में फंसेगा,**
**उलटकर काल तुझको ही ग्रसेगा।।''**

श्रीकृष्ण की यह नयी धर्मनीति ही महाभारत में पाण्डवों की विजय का कारण बनती है। जीवन गतिशील है, इसीलिए जीवन से जुड़े सभी पक्ष-- धर्म, राजनीति, दर्शन आदि निरंतर पुर्नव्याख्या और संशोधन की अपेक्षा करते हैं। मानवीय मूल्य दया, क्षमा आदि अपरिवर्तित होने योग्य हैं किंतु यदि कहीं वे मनुष्यता के प्रतिपक्ष में उपस्थित होकर मानवमंगल का पथ अवरुद्ध करने लगें तो उनको यथोचित पुर्नव्याख्यायित करके ग्रहण किया जाना ही उचित है। रूढ़ि कभी धर्म नहीं हो सकती और धर्म कभी रूढ़ नहीं होना चाहिए। धर्म को लोकमंगल की धुरी पर ही घूमना होगा। जहाँ वह लोकमंगल को परिधि पर धकेल कर निजी स्वार्थों को केंद्र में प्रतिष्ठित करेगा वहाँ वह धर्म नहीं रह जाएगा, वहाँ वह धर्म का शव मात्र होगा, जिसकी दुर्गंध मनुष्यता के स्वास्थ्य के लिए सर्वथा घातक होगी। लोकमंगल के निर्मल-जल में ही धर्म का4 कमल खिल सकता है।

# सरकारी कर्मियों की संख्या बढ़ाइए, वेतन घटाइए

**भरत झुनझुनवाला**

गौर करने की बात यह है कि वियतनाम और चीन दोनों ही हमसे बहुत अधिक तीव्रता से आर्थिक विकास हासिल कर रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत की आर्थिक विकास के दर के न्यून होने के पीछे एक कारण यह हो सकता है कि भारत की राष्ट्रीय आय का उपयोग सरकारी कर्मियों की खपत को पोषित करने में खप जा रहा है फलस्वरूप जन कल्याण और आर्थिक विकास दोनों पीछे होते जा रहे हैं। संविधान के निर्माताओं ने कल्याणकारी राज्य की कल्पना की थी। यह कहने की जरूरत नहीं कि जनकल्याण हासिल करने के लिए सरकारी कर्मियों की नियुक्ति करनी ही होगी। जैसे हाईवे बनवाने के लिए अथवा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को लागू करने के लिए सरकारी कर्मियों की नियुक्ति करना आवश्यक होता ही है। सोच है कि सरकारी कर्मी अपने कार्यों का निष्ठापूर्वक सम्पादन करके देश के आर्थिक विकास में योगदान देंगे और जनकल्याण हासिल करेंगे। लेकिन यदि सरकारी कर्मियों को सरकार इतना अधिक वेतन देने लगे कि विकास और जन कल्याण दोनों ठप्प हो जाए तो हम संविधान की भावनाओं के विपरीत चल पड़ते हैं। ऐसी स्थिति में सरकारी कर्मियों का कल्याण प्राथमिक और जनकल्याण गौण हो जाता है।

विश्व बैंक ने वैश्विक परिदृश्य में सरकारी वेतन नाम से अध्ययन किया। इसके अनुसार वियतनाम में देश के नागरिक की औसत आय की तुलना में सरकारी कर्मी का औसत वेतन 90 प्रतिशत होता है। यदि वियतनाम के नागरिक की औसत आय 100 रुपए है तो सरकारी कर्मी का औसत वेतन 90 रुपये है। चीन में यदि नागरिक का औसत वेतन 100 रुपये है तो सरकारी कर्मी का औसत वेतन 110 रुपये बैठता है। लेकिन भारत में यदि नागरिक का औसत वेतन 100 रुपये है तो सरकारी कर्मी का औसत वेतन 700 रूपये है। यह बात विश्व बैंक की रपट बताती है। इतना सही है कि वियतनाम और चीन के नागरिक का औसत वेतन आज भारत की तुलना में अधिक है। लेकिन जब इन देशों के नागरिक का औसत वेतन भारत के समतुल्य था तब भी सरकारी कर्मियों का वेतन इसी अनुपात में था। गौर करने की बात यह है कि वियतनाम और चीन दोनों ही हमसे बहुत अधिक तीव्रता से आर्थिक विकास हासिल कर रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत की आर्थिक विकास के दर के न्यून होने के पीछे एक कारण यह हो सकता है कि भारत की राष्ट्रीय आय का उपयोग सरकारी कर्मियों की खपत को पोषित करने में खप जा रहा है फलस्वरूप जन कल्याण और आर्थिक विकास दोनों पीछे होते जा रहे हैं। इसी क्रम में विश्व बैंक ने बताया है कि वैश्विक स्तर पर सरकारी खपत में गिरावट हो रही है। वैश्विक स्तर पर 2009 में सरकारी खपत देश की कुल आय का 18.0 प्रतिशत थी जो कि 2014 में घटकर 17.2 प्रतिशत हो गई और 2019 में घटकर 17.1 प्रतिशत रह गई। तुलना में भारत में सरकारी खपत बढ़ती जा रही है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2014 में देश की आय में सरकारी खपत का हिस्सा 10.4 प्रतिशत था जो 2020 में बढ़कर 12.6 प्रतिशत हो गया है। स्पष्ट है कि जहां वैश्विक स्तर पर सरकारी खपत में गिरावट आ रही है वहीं भारत में सरकारी खपत में तीव्र वृद्धि हो रही है। यहां यह स्पष्ट करना होगा कि वैश्विक स्तर पर सरकारी खपत लगभग 17 प्रतिशत की तुलना में भारत में 12 प्रतिशत है। कारण यह है कि तमाम देशों में सरकारी कर्मियों की नियुक्ति अधिक संख्या में की गई है।जैसे भारत में एक लाख नागरिकों के पीछे 139 सरकारी कर्मी हैं जबकि अमेरिका में एक लाख नागरिकों के पीछे 668 सरकारी कर्मी हैं। अमेरिका में भारत की तुलना में सरकारी कर्मियों की संख्या लगभग पांच गुना है। यानि भारत में 12.6 प्रतिशत सरकारी खपत में 139 कर्मी नियुक्त हैं तो अमेरिका में 17.1 प्रतिशत सरकारी खपत में 668 कर्मी नियुक्त हैं। अतः हमें इस बात से विचलित नहीं होना चाहिए कि वैश्विक स्तर पर सरकारी खपत जादा है। हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि भारत में कम संख्या में कर्मियों द्वारा अधिक खपत क्यों की जा रही है। समस्या यह है कि अपने देश में सरकारी खपत में वृद्धि हो रही है जबकि वैश्विक स्तर पर इसमें गिरावट आ रही है।और भी चिंताजनक है कि विश्व श्रम संगठन के अनुसार कोविड संकट के दौरान भारत में सभी कर्मियों के वेतन में 3.6 प्रतिशत की गिरावट आई है जबकि असंगठित श्रमिकों के वेतन में 22.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह गम्भीर है क्योंकि एक तरफ सरकार की खपत में वृद्धि हो रही है और दूसरी तरफ नागरिक की आय में गिरावट आ रही है। स्पष्ट है कि भारत में सरकारी कर्मी जनता का कल्याण अथवा विकास में सहयोग देने के स्थान पर जनता शोषण करने और विकास में गिरावट लाने की भूमिका अदा कर रहे हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि सरकारी कर्मी अपना कार्य नहीं करते हैं। वे कार्य करते हैं। उनमे से कई इमानदार भी हैं। लेकिन कार्य के लिए जिस प्रकार के वेतन उन्हें दिए जा रहे हैं उनका देश पर विपरीत प्रभाव पड़ता दिख रहा है।

राज्यों की स्थिति और भी कठिन है। केरल में सरकार का 70 प्रतिशत बजट सरकारी कर्मियों के वेतन देने में खप जाता है और तमिलनाडु में 71 प्रतिशत। तमिलनाडु में सरकारी स्कूल के हेड मास्टर को 103,000 रुपये प्रति माह का वेतन दिया जा रहा है जो कि निजी स्कूल में 15,000 रुपये मात्र ही होगा। इसके बावजूद सरकारी विद्यालयों में छात्रों का रिजल्ट निजी विद्यालयों की तुलना में कमजोर ही रहता है। अतएव यह नहीं कहा जा सकता है कि सरकारी कर्मियों को अधिक वेतन देने से उनकी कार्य कुशलता में सुधार हुआ है जबकी इनकी कार्य कुशलता में सुधार करने के लिए हर वेतन आयोग द्वारा कुछ संस्तुतियां की जाती हैं। इन्हें ठंडे बस्ते में रख दिया जाता है और केवल वेतन वृद्धि कि संस्तुतियों को लागू कर दिया जाता है। जैसे पांचवें वेतन आयोग ने कहा था कि क्लास ए अधिकारियों का प्रति पांच वर्ष पर बाह्य मूल्यांकन कराया जाए। इस संस्तुति को ठंडे बस्ते में रख दिया गया था और सरकारी कर्मियों के वेतन में लगभग दो गुना से अधिक वृद्धि कर दी गई थी।

इस परिस्थिति में सरकार को वर्तमान सरकारी कर्मियों के वेतन में कटौती करके इन्हें वर्तमान का केवल सातवां हिस्सा कर देना चाहिए जिससे कि ये वियतनाम और चीन के सामान हो जाए। जैसे यदि किसी कर्मी को आज 70 हजार रुपये का वेतन प्रतिमाह मिलता है उसे काटकर केवल दस हजार रुपये देना चाहिए। इस बची हुई रकम से वर्तमान सरकारी कर्मियों की संख्या को बढ़ा दिया जाए। यदि वर्तमान में यदि 2 करोड़ सरकारी कर्मचारी हैं तो 12 करोड़ और कर्मियों को नियुक्त कर कुल 14 करोड़ सरकारी कर्मी नियुक्त कर दिए जाएं। ऐसा करने से दो विसंगतियां दूर हो जायेंगी। पहली यह कि हमारे सरकारी कर्मियों का वेतन दूसरे तीव्र विकास करने वाले देशों के समतुल्य हो जाएगा और दूसरा यह कि सरकार के पास 14 करोड़ कर्मियों की एक नई फौज तैयार हो जायेगी जिससे जनकल्याण और आर्थिक विकास के कार्य संपादित हो सकेंगे।

# तालिबान के बजाय आईएस, क्या है गेम?

**विक्रम सूद**

काबुल एयरपोर्ट पर 26 अगस्त को भीषण अटैक हुआ, अमेरिकी सैनिकों सहित सैकड़ों लोगों की जान गई, सैकड़ों दूसरे घायल हुए। अमेरिका इस हमले के लिए इस्लामिक स्टेट-खुरासान को जिम्मेदार ठहरा रहा है। घ्-खुरासान खुद को घ् का हिस्सा बताता है। घ् उत्तरी-पूर्वी ईरान, अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों और मध्य एशिया के दक्षिणी भाग में सक्रिय है। मसला यह है कि अमेरिकी सूत्रों ने जिस फुर्ती से घ्-खुरासान पर अंगुली उठाई है, वह एक कमजोर बहानेबाजी की तरह दिख रही है।

**दाल में काला :** 26 अगस्त को काबुल एयरपोर्ट के पास अटैक हुआ। वहां से शवों और घायलों को हटाया ही जा रहा था कि तभी यह जानकारी जुटा ली गई कि हमला किसने किया। तालिबान के काबुल पहुंचने का अनुमान लगाने में जिस तरह की चूक हुई, उसके मुकाबले एयरपोर्ट वाले मामले में गजब की तेजी दिखी। इससे तो यही लग रहा है कि इस दावे के पीछे कोई खास मकसद है। मकसद एक नया किस्सा फैलाने का। अमेरिकियों ने अपनी वापसी के बारे में कुछ महीने पहले ही तालिबान से डील की और अब यह हमला हो गया, जिसमें अमेरिकी सैनिक भी मारे गए। अमेरिकियों को यकीनी तौर पर यह सब शर्मनाक लग रहा होगा। लिहाजा हमले के लिए घ्-खुरासान को फटाफट जिम्मेवार करार देने का फौरी मकसद है तालिबान, पाकिस्तान और उनके लोगों के जान-माल को फायरिंग लाइन से किनारे करना। घ्-खुरासान वैसे भी हो सकता है कि हक्कानी नेटवर्क का हिस्सा हो। अमेरिका का यह कदम तालिबान को भी रास आएगा। अफगान लोगों के लिए तो इसका कोई खास मतलब नहीं दिखता कि यह नरसंहार तालिबान ने किया या घ्-खुरासान ने। हमले का मकसद था अफगानों और अफगानिस्तान में मौजूद विदेशियों में खौफ पैदा करना, जिससे दिखे कि कौन ताकतवर है। और यह मेसेज दिया जा चुका है। अगर किसी के पास शासन चलाने का हुनर न हो तो अपनी बात मनवाने का एक ही तरीका होता है उसके पास, डर पैदा करना। अभी तो कुछ भी नहीं हुआ है, इस खौफ का असल कहर तो आगे दिखने वाला है, जब तालिबान के लोगों को बायोमीट्रिक डिवाइसेज का इस्तेमाल करना आ जाएगा। अमेरिका ने ये डिवाइसेज अफगानिस्तान में छोड़ दी हैं। उनमें उन अफगान लोगों के फिंगरप्रिंट और आई स्कैन दर्ज हैं, जिन्होंने अमेरिकियों के लिए काम किया, कभी दुभाषिया बने, कभी दूसरी जिम्मेदारियां उठाईं। अफगानिस्तान जिहाद का अड्डा बनने की राह पर है। अल-कायदा के कई बचे-खुचे गिरोहों ने खुद को तालिबान से जोड़ लिया है। इनके अलावा दूसरे गिरोह भी हैं। घ्-खुरासान का वजूद सामने आया साल 2015 में। इसमें तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान के दहशतगर्द भी शामिल हो गए। इस गेम में हक्कानी नेटवर्क से नजर नहीं हटाई जा सकती। पाकिस्तान से उसका बेहद करीबी रिश्ता है। अमेरिका के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन रहे माइकेल म्यूलेन ने 2011 में कहा था कि हक्कानी नेटवर्क दरअसल पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस का हिस्सा है। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान में कई पाकिस्तानी चरमपंथी सुन्नी गुट शामिल हैं। भारत पर नजर रखने वाले लश्कर ए तैयबा और जैश ए मुहम्मद जैसे आतंकवादी संगठन तालिबान की जीत पर खुशी से उछल पड़े। उन्होंने कहा कि वे तालिबान के साथ हैं और यह उम्मीद भी जताई कि कश्मीर में उनकी नापाक हरकतों में तालिबान मदद करेगा।

# कॉमन रूमः दुनिया ने तोड़ी अफगानी औरतों की उम्मीद

**अनु जैन रोहतगी**

फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप ने अफगानिस्तान की सरकारी फिल्म कंपनी की पहली महिला महानिदेशक सहरा करीमी की एक अपील ट्वीट की है। सोशल मीडिया पर वायरल इस अपील में सहरा ने अपने मुल्क की दयनीय हालत की एक जिंदा तस्वीर पेश करते हुए दुनिया भर से मदद की गुहार लगाई है। सहरा लिखती हैं, 'मैं आपको टूटे दिल और गहरी उम्मीद से लिख रही हूं कि आप मेरे प्यारे देशवासियों, खासकर फिल्मकारों को बचाने में साथ दें। हमारी मदद करें। हमारे पास बहुत कम समय है, शायद कुछ ही दिनों का। पिछले कुछ हफ्तों में तालिबान ने कई प्रांतों का नियंत्रण अपने हाथ में लिया है। उन्होंने हमारे लोगों को मारा है, कई बच्चों का अपहरण किया है, बच्चियों को बाल वधू बनाकर बेचा है, एक महिला को उसके कपड़ों के कारण मारा है, हमारे एक प्यारे कमीडियन को उन्होंने प्रताड़ित करने के बाद मार डाला है, हमारे कवियों को मारा है।' सहरा की अपील सामने आई, चर्चा का विषय भी बनी लेकिन अफसोस कि देर हो चुकी है। अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी अफगानियों के लिए, खासकर वहां की महिलाओं और लड़कियों के लिए एक आतंक और खौफ की शुरुआत है। पिछले 15-20 सालों में पढ़ने, बाहर घूमने, राजनीति से लेकर प्रफेशनल फील्ड में अपना हुनर दिखाने का जो मौका उन्हें मिला था, अब वह छिनना शुरू हो गया है। डरी महिलाओं को लग रहा है कि वह दिन दूर नहीं जब वे फिर से घर की दीवारों में कैद होकर रह जाएंगी। यही वजह है कि काबुल हवाई अड्डे पर पिछले कई दिनों से जो लोग अपना वतन छोड़ने की जद्दोजहद कर रहे हैं, मर रहे हैं, उनमें ढेरों महिलाएं भी हैं।

इसमें शक नहीं कि अफगानिस्तान में सहरा जैसी पढ़ी-लिखी शहरों में रहने वाली महिलाओं से लेकर गांवों की सामान्य महिलाएं तक अपने वजूद और आजादी के लिए तालिबानियों से टक्कर लेती रहीं। सैकड़ों की संख्या में अफगानी महिलाएं तालिबानी हुकूमत के खिलाफ अपनी जंग का ऐलान करती नजर आ रही थीं। हाथों में बंदूक, मुंह पर तालिबान विरोधी नारों को देखकर साफ लग रहा था कि वे तालिबानियों के खिलाफ आरपार की लड़ाई लड़ने को पूरी तरह से तैयार हैं। इसी बीच अफगान सेना में 20 महिला कमांडों की नियुक्ति ने तो मानो इन महिलाओं में एक नया हौसला भर दिया था। लेकिन मानवाधिकारों की दुहाई देने वालों से इनको पर्याप्त सहयोग नहीं मिला और लड़ाई हारने के बाद अब ये महिलाएं वापस गुमनामी और गुलामी के अंधेरों में धकेली जा रही हैं।

महिलाओं के लिए बद से बदतर जगह बन चुका अफगानिस्तान आज से कुछ दशक पहले महिलाओं के लिए जन्नत से कम नहीं समझा जाता था। महिलाएं खुलकर आजादी से रहती थीं और हर वह काम करती थीं, जो वे करना चाहती थीं। लड़कियां मिनी स्कर्ट पहनकर स्कूल-कॉलेज में पढ़ाई करती थीं। अफगानिस्तान के फैशन शो की पूरे विश्व में चर्चा होती थी। आधुनिक से आधुनिक पहनावा अफगानिस्तान में नजर आने के बाद लंदन और पेरिस की शोभा बढ़ाता था। पढ़ाई-लिखाई, खेल-कूद, राजनीति के साथ बड़े-बड़े पदों पर विराजमान थीं अफगानी महिलाएं। अफगानिस्तान में महिलाओं को वोट देने का अधिकार 1919 में मिला और इसी के आसपास यूके और यूएस जैसे देशों में महिलाओं को वोटिंग अधिकार मिला। अंदाजा लगा सकते हैं कि अफगान में महिलाओं का रुतबा आज के आधुनिक, विकसित देशों के बराबर ही था।

# गोल्ड मेडलिस्ट सुमित और सिल्वर मेडलिस्ट योगेश पर हरियाण सरकार ने की इनामों की बारिश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** हरियाणा सरकार ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में भालाफेंक स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाले सुमित अं?तिल और डिस्कस थ्रो में सिल्वर मेडल अपने नाम करने वाले योगेश कथुनिया पर जमकर इनामों की बारिश की है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गोल्ड मेडलिस्ट सुमित को छह? करोड़ रुपये और सिल्वर मेडलिस्ट योगेश को चार करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। सरकार की ओर से एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि राज्य के इन दोनों खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी भी दी जाएगी। इससे पहले, खट्टर ने गोल्ड मेडल जीतने पर सुमित को बधाई देते हुए कहा कि पैरालंपिक में भी हरियाणा के छोरे नैं लठ गाड़ दिया। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, सुमित अंतिल ने पैरालंपिक में भाला फेंक खेल में वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर हरियाणा वासियों

के साथ-साथ पूरे हिंदुस्तान का दिल जीत लिया है। उनके इस ऐतिहासिक प्रदर्शन पर उन्हें ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने पर हरियाणा के लाल सुमित अंतिल को प्रदेश सरकार अपनी खेल नीति के तहत 6 करोड़ रूपए, क्लास वन की नौकरी व अन्य सुविधाएं देगी। मुख्यमंत्री ने अपने एक अन्य ट्वीट में सुमित के लिए नकद पुरस्कारों की घोषणा करते हुए कहा, देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने पर हरियाणा के लाल सुमित अंतिल को प्रदेश सरकार अपनी खेल नीति के तहत 6 करोड़ रूपए, क्लास वन की नौकरी व अन्य सुविधाएं देगी। खट्टर ने योगेश को भी बधाई दी और उनके लिए भी पुरस्कार का ऐलान किया। उन्होंने कहा, हमारे देश के लाल व पैरालंपिक खेलने गए खिलाड़ियों देवेंद्र झाझरिया तथा व योगेश कथूनिया को रजत पदक और सुंदर गुर्जर को कांस्य पदक जीतने पर हार्दिक बधाई। आप भविष्य में भी देश के नाम को रोशन करते रहें, ऐसी मंगलकामना करता हूँ।

उन्होंने आगे कहा, हरियाणा के खिलाड़ी योगेश कथूनिया को प्रदेश सरकार की ओर से सिल्वर मेडल जीतने पर 4 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि और हरियाणा खेल नीति के तहत नौकरी व अन्य सुविधाएं दी जाएंगी।हरियाणा के खिलाड़ी योगेश कथूनिया को प्रदेश सरकार की ओर से सिल्वर मेडल जीतने पर 4 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि और हरियाणा खेल नीति के तहत नौकरी व अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इन खिलाड़ियों से फोन पर बात की और साथ ही इस शानदार जीत के लिए उन्हें बधाई दी। प्रधानमंत्री के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी पैरालंपिक में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को अपनी बधाई दी।

# डिस्कस थ्रोअर विनोद कुमार से छीना गया ब्रॉन्ज मेडल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के चक्का फेंक एथलीट विनोद कुमार ने सोमवार को टूर्नामेंट के पैनल द्वारा विकार के क्लासिफिकेशन निरीक्षण में अयोग्य पाए जाने के बाद पैरालंपिक की पुरूषों की एफ52 स्पर्धा का ब्रॉन्ज मेडल गंवा दिया। बीएसएफ के 41 साल के जवान विनोद कुमार ने रविवार को 19.91 मीटर के बेस्ट थ्रो से एशियाई रिकार्ड बनाते हुए पोलैंड के पियोट्र कोसेविज (20.02 मीटर) और क्रोएशिया के वेलिमीर सैंडोर (19.98 मीटर) के पीछे तीसरा स्थान हासिल किया था। हालांकि किसी प्रतिस्पर्धी ने इस नतीजे को चुनौती दी। आयोजकों ने एक बयान में कहा, पैनल ने पाया कि एनपीसी (राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति) भारत के एथलीट विनोद कुमार को स्पोर्ट क्लास आवंटित नहीं कर पाया और खिलाड़ी को क्लासिफिकेशन पूरा नहीं किया (सीएनसी) चिन्हित किया गया। एथलीट इसलिए पुरूषों की एफ52 चक्का फेंक स्पर्धा के लिए

अयोग्य है और स्पर्धा में उसका नतीजा अमान्य है।

एफ52 स्पर्धा में वो एथलीट हिस्सा लेते हैं जिनकी मांसपेशियों की क्षमता कमजोर होती है और उनके मूवमेंट सीमित होते हैं, हाथों में विकार होता है या पैर की लंबाई में अंतर होता है जिससे खिलाड़ी बैठकर प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेते हैं। पैरा खिलाड़ियों को उनके विकार के आधार पर वर्गों में रखा जाता है। क्लासिफिकेशन प्रणाली में उन खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति मिलती है जिनका विकार एक सा होता है। आयोजकों ने 22 अगस्त को विनोद का क्लासिफिकेशन किया था। विनोद कुमार के पिता 1971 भारत-पाक युद्ध में लड़े थे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में जुड़ने के बाद ट्रेनिंग करते हुए वह लेह में एक चोटी से गिर गए थे जिससे उनके पैर में चोट लगी थी। इसके कारण वह करीब एक दशक तक बिस्तर पर रहे थे और इसी दौरान उनके माता-पिता दोनों का देहांत हो गया था।

## जैवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीतने के बाद सुमित अंतिल बोले- मैं इससे भी अच्छा करके दिखाऊंगा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पांच बार वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़कर टोक्यो पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीतने के बावजूद भारतीय पैरा भालाफेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल ने कहा कि यह उनका बेस्ट प्रदर्शन नहीं था और वह इससे बेहतर करके दिखाएंगे। कुश्ती से भालाफेंक में आए सुमित ने पुरूषों की एफ64 स्पर्धा में गोल्ड जीतकर भारत की झोली में दूसरा पीला तमगा डाला। हरियाणा के सोनीपत के 23 साल के सुमित ने अपने पांचवें प्रयास में 68.55 मीटर दूर तक भाला फेंका जो दिन का बेस्ट प्रदर्शन और एक नया वर्ल्ड रिकार्ड था। उन्होंने 62.88 मीटर के अपने ही पिछले विश्व रिकार्ड को दिन में पांच बार बेहतर किया। सुमित ने कहा, यह मेरा पहला पैरालंपिक था और मुकाबला कड़ा होने के कारण मैं थोड़ा नर्वस था। मैं सोच रहा था कि 70 मीटर से अधिक का थ्रो जाएगा। शाायद मैं 75 मीटर भी कर सकता था। यह मेरा बेस्ट प्रदर्शन नहीं था लेकिन विश्व रिकॉर्ड तोड़कर मैं खुश हूं। मोटरसाइकिल दुर्घटना में बायां पैर गंवाने से पहले सुमित एक पहलवान थे। उन्होंने कहा, मैं बहुत अच्छा पहलवान नहीं था। मेरे इलाके में परिवार आपको पहलवानी में उतरने के लिए मजबूर करता है। मैंने सात आठ साल की उम्र में ही कुश्ती खेलना शुरू का दिया था और चार पांच साल तक खेलता रहा। मैं इतना अच्छा पहलवान नहीं था। उन्होंने कहा, हादसे के बाद मेरी जिंदगी बदल गई। मैं 2015 में लोगों से मिलने स्टेडियम गया तो मैंने पैरा एथलीटों को देखा।

# राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने मेडल जीतने वाले एथलीटों के प्रदर्शन को सराहा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने टोक्यो पैरांपिक में विभिन्न स्पर्धाओं में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को सोमवार को बधाई और शुभकामनाएं दी। कोविंद ने सोमवार को ट्वीट करके गोल्ड मेडलिस्ट सुमित अंतिल, अवनी लेखारा, योगेश कथुनिया, देवेंद्र झाझरिया और सुन्दर सिंह गुर्जर को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा, भारत की एक और बेटी ने हमें गौरवान्वित किया है। अवनी ने पैरालम्पिक में स्वर्ण जीतने वाली प्रथम महिला बनकर इतिहास रच दिया है। भारत उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन से गदगद है। आपके अविस्मरणीय प्रदर्शन के कारण पोडियम पर हमारा तिरंगा लहराया। एक अन्य ट्वीट में कोविंद ने कहा, यह देखकर बड़ी प्रसन्नता हुई कि हमारे पैरालम्पिक खिलाड़ी

देश को गौरवान्वित होने का मौका उपलब्ध करा रहे हैं। योगेश कथुनिया ने चक्का फेंक में रजत पदक जीता है, जबकि देवेन्द्र झाझरिया और सुन्दर सिंह गुर्जर ने भाला फेंक में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते हैं। बधाई, प्रत्येक भारतीय आपकी सफलता का उत्सव मना रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पैरालंपिक खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वाली अवनी लेखारा और सिल्वर मेडल जीतने वाले योगेश कथूरिया से बात कर उन्हें बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने सोमवार को अवनी लखेड़ा से बात की और उन्हें स्वर्ण पदक जीतने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जीत देश के लिए गौरव का विषय है। अवनी ने पूरे देश से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। मोदी ने योगेश कथुरिया से भी टेलीफोन पर बात की और रजत पदक जीतने के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने योगेश की सफलता में उनकी मां के योगदान की भी सराहना की। योगेश ने शुभकामनाएं और बधाई के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

मोदी ने टोक्यो पैरालंपिक की भाला फेंक स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाले सुमित अंतिल को शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि देश को उन पर गर्व है। उन्होंने एक ट्वीट संदेश में कहा, पैरालंपिक्स में हमारे एथलीटों का शानदार प्रदर्शन जारी है। देश को पैरालंपिक में सुमित अंतिल के रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन पर गर्व है। प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक जीतने के लिए सुमित अंतिल को बधाई। भविष्य के लिए भी आपको शुभकामनाएं। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने पैरालंपिक खेलों में भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल को बधाई दी है। ठाकुर ने अपने ट्वीट संदेश में कहा, विश्व रिकॉर्ड टूट गया है! भारत ने एक और स्वर्ण पदक जीता है। सुमित अंतिल को टोक्यो 2020 पैरालिम्पिक्स में स्वर्णिम शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई। अतुल्य फेंक, प्रेरणादायक उपलब्धि। सोमवार को टोक्यो पैरालंपिक्स में अंतिल ने फाइनल मुकाबले में एक के बाद एक तीन विश्व रेकॉर्ड तोड़े। पहले उन्होंने 66.95 मीटर दूर भाला फेंक विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। फिर अपनी दूसरी ही कोशिश में 68.08 मीटर के स्कोर से अपना ही वर्ल्ड रेकॉर्ड सुधारा। पांचवीं कोशिश में 68.55 मीटर के स्कोर के साथ सबसे आगे निकल गए।

# वर्ल्ड चैम्पियनशिप से पहले फिर से ट्रायल का अनुरोध कर सकते हैं ओलंपिक मेडलिस्ट बजरंग पूनिया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टोक्यो ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट और भारत के स्टार पहलवान बजरंग पूनिया ने सोमवार को कहा कि चोट से उबरने पर वह वर्ल्ड चैम्पियनशिप से पहले अपने वर्ग में फिर से ट्रायल का अनुरोध कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि टोक्यो ओलंपिक से पहले उनके घुटने में ही चोट नहीं लगी बल्कि उनकी मांसपेशी में भी खिंचाव आ गया था।

बजरंग ने टोक्यो ओलंपिक में 65 किलो फ्रीस्टाइल वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उन्होंने कहा, घुटने की चोट के 15 दिन बाद मेरे बाएं पैर की मांसपेशी में भी खिंचाव आ गया था लेकिन मैंने चुप रहकर चोट के साथ ही खेलने का फैसला किया। मैं फिटनेस हासिल करने की दिशा में हूं और लगता है कि विश्व चैम्पियनशिप से पहले फिट हो जाऊंगा। अगर ऐसा हुआ तो महासंघ से अनुरोध करूंगा कि मुझे फिर से ट्रायल का मौका मिले। भारतीय कुश्ती महासंघ विश्व चैम्पियनशिप के ट्रायल मंगलवार को आयोजित कर रहा है। विश्व चैम्पियनशिप नॉर्वे के ओस्लो में दो से 10 अक्टूबर तक खेली जाएगी। इससे पहले, बजरंग ने कहा था कि वह आगामी रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगे क्योंकि टोक्यो खेलों से पहले दाएं घुटने में लगी चोट (लिगामेंट टियर) के इलाज के लिए उन्हें छह हफ्ते के रिहैबिलिटेशन की सलाह दी गई थी। रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन नॉर्वे के ओस्लो में दो से 10 अक्टूबर तक किया जाएगा और रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम पूरा होने तक बजरंग ट्रेनिंग शुरू नहीं कर पाएंगे। ओलंपिक से पहले जून में रूस में लगी चोट की गंभीरता को जानने के लिए हाल में बजरंग ने एमआरआई कराया था और मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल के खेल मेडिसिन केंद्र के प्रमुख डॉ. दिनशॉ परदीवाला से सलाह ली थी।

टोक्यो खेलों से पहले जून में रूस में अली अलियेव टूर्नामेंट में खेलते हुए बजरंग को चोट लगी थी। बजरंग उस टूर्नामेंट में अब्दुलमजीद कुदियेव के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के बीच से हट गए थे जब विरोधी खिलाड़ी ने मुकाबले के पहले पीरियड में उनके दाएं पैर को पकड़कर खींच लिया था। पैर खींचे जाने से बजरंग के दाएं घुटने पर असर पड़ा और वह लड़खड़ाते हुए तुरंत मुकाबले से हट गए। उन्होंने हालांकि ओलंपिक में हिस्सा लिया और 65 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

## विश्वमित्र चोंगथाम ने एशियाई युवा मुक्केबाजी में जीता गोल्ड मेडल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** विश्व युवा कांस्य पदक विजेता विश्वमित्र चोंगथाम (51 किलो) ने दुबई में एशियाई युवा मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का दबदबा कायम रखा। चोंगथाम ने उजबेकिस्तान के कुजिबोएव अहमदजोन को 4-1 से हराया। वहीं, विश्वनाथ सुरेश (48 किलो) को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा जो मौजूदा युवा विश्व चैम्पियन कजाखस्तान के संजार ताशकेनबे से 0-5 से हार गए। इससे पहले, एशियाई जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत ने गोल्ड मेडल जीतकर अपने अभियान का अंत किया। इनमें से छह गोल्ड मेडल लड़कियों ने जीते। इसके अलावा भारत ने पांच सिल्वर और छह ब्रॉन्ज मेडल भी हासिल किए। भारत की छह लड़कियां फाइनल में पहुंची थी,इ जिनमें से छह ने गोल्ड मेडल जीते जबकि चार अन्य को रजत पदक मिला। लड़कों के वर्ग में तीन भारतीय फाइनल में पहुंचे थे जिनमें से दो स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे। भारत ने कजाखस्तान के बराबर गोल्ड मेडल जीते। उज्बेकिस्तान नौ स्वर्ण पदक के साथ शीर्ष पर रहा।

रूद्रिका (70 किग्रा) उज्बेकिस्तान की ओइशा तेरोवा से 1-4 से और संजना (81 किग्रा) कजाखस्तान की उमित अहिलकाइर से 0-5 से हार गयी। आंचल सैनी (57 किग्रा) को भी कजाखस्तान की उलझान सारसेनबे से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत की तरफ से देविका घोरपड़े (50 किग्रा), आरजू (54 किग्रा) और सुप्रिया रावत (66 किग्रा) ने लड़कियों के वर्ग में जबकि आशीष (54 किग्रा), अंशुल (57 किग्रा) और अंकुश (66 किग्रा)) ने लड़कों के वर्ग में कांस्य पदक जीते। पिछली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप 2019 में भारत 21 पदक (छह स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर रहा था। जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक विजेताओं को 4,000 डॉलर जबकि रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः 2,000 डॉलर और 1,000 डॉलर दिए जाएंगे। युवा प्रतियोगिता के फाइनल में अब निवेदिता (48 किग्रा), तमन्ना (50 किग्रा), सिमरन (52 किग्रा), नेहा (54 किग्रा), प्रीति (57 किग्रा), प्रीति दहिया (60 किग्रा), खुशी (63 किग्रा), स्नेहा (66 किग्रा), खुशी (75 किग्रा), तनिशबीर (81 किग्रा) महिला वर्ग में जबकि पुरुषों में जयदीप रावत (71 किग्रा), वंशज (64 किग्रा) और विशाल (80 किग्रा) फाइनल खेलेंगे। यह पहला अवसर है जबकि दोनों आयु वर्ग - जूनियर और युवा - चैम्पियनशिप एक साथ आयोजित की जा रही है।

## मुंबई क्रिकेट के द्रोणाचार्य वासु परांजपे का निधन, सचिन तेंदुलकर से लेकर रवि शास्त्री तक ने दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मुंबई क्रिकेट के द्रोणाचार्य माने जाने वाले अनुभवी कोच वासु परांजपे का सोमवार को निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी ललिता, दो बेटियां और बेटा जतिन है जो भारत का पूर्व क्रिकेटर और राष्ट्रीय चयनकर्ता रह चुके हैं। भारतीय क्रिकेट खासकर मुंबई क्रिकेट के साथ छह दशक तक परांजपे विभिन्न भूमिकाओं में जुड़े रहे। वह कोच, चयनकर्ता, मेंटर और सलाहकार भी रहे। उनके निधन पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से लेकर मौजूदा भारतीय टीम के हेड कोच रवि शास्त्री, भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता राज ठाकरे ने भी परांजपे के निधन पर शोक जताया है। तेंदुलकर ने एक बयान में कहा, 'वासु सर सर्वश्रेष्ठ कोचों में से

एक थे जिनके मार्गदर्शन में मैंने खेला है। वह बचपन से क्रिकेट के मेरे सफर के अभिन्न अंग रहे और कई मायनों में मेरे मेंटर रहे। मेरे कैरियर की शुरूआत में वह मुझसे मराठी में कहते थे कि पहले 15 मिनट देखो और विरोधी टीम पूरे मैच में तुम्हें देखेगी। वह काफी मजाकिया थे और क्रिकेट का उन्हें अपार ज्ञान था। कुछ महीने पहले ही मैं उनसे मिला था और वह उसी मजाकिया अंदाज में मिले थे। मुंबई क्रिकेट संघ के सचिव संजय नाईक और संयुक्त सचिव शाह आलम शेख ने एक बयान में कहा, 'मुंबई क्रिकेट संघ श्री वासु परांजपे के दुखद निधन पर शोक व्यक्त करता है जिन्होंने 30 अगस्त 2021 को आखिरी सांस ली। एमसीए की शीर्ष परिषद के सदस्यों, सदस्य क्लबों और क्रिकेट जगत की ओर से हम उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हैं।'

## स्टुअर्ट बिन्नी के इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने पर बोले बीसीसीआई अध्यक्ष गांगुली- कर्नाटक क्रिकेट में उनके योगदान को स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय टीम के ऑलराउंडर खिलाड़ी स्टुअर्ट बिन्नी ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का सोमवार को ऐलान कर दिया। बिन्नी ने अपने करियर में टीम इंडिया के लिए 6 टेस्ट, 14 वनडे और तीन टी-20 मुकाबले खेले। बिन्नी साल 2015 में खेले गए विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा भी रहे थे। भारत के लिए उन्होंने अपना आखिरी मुकाबला वेस्टइंडीज के खिलाफ 2016 में खेला था और इसके बाद से वह टीम से बाहर चल रहे थे।

इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पूर्व भारतीय कप्तान और मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने भविष्य के लिए उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी है और साथ ही कर्नाटक क्रिकेट में उनके योगदान के लिए स्टुअर्ट बिन्नी की जमकर तारीफ भी की है। गांगुली ने कहा, ' मैं स्टुअर्ट बिन्नी को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देना चाहता हूं। उनका लंबा करियर रहा है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट एक अच्छे इंटरनेशनल का आधार है और इसमें स्टुअर्ट का बहुत बड़ा योगदान रहा है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के लिए उनका योगदान स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। मैं उनके जीवन में सफलता की कामना करता हूं। बिन्नी ने अपना इंटरनेशनल डेब्यू न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से किया था। वनडे क्रिकेट में खेले 14 मैचों में बिन्नी ने 28.75 की औसत से कुल 230 रन बनाए और 20 विकेट झटके। टी-20 में इस ऑलराउंडर का प्रदर्शन हालांकि कुछ खास नहीं रहा और 3 मुकाबलों में उन्होंने सिर्फ 35 रन बनाए।

# जो पहले खुशियों पर लगाते थे बंदिशें, अब देते हैं बधाई : सीएम योगी



**मथुरा (एजेंसी)।** श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाने मथुरा पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ विरोधी पार्टियों और पूर्व की सरकारों पर निशान साधने से नहीं चूके। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि जो लोग पहले मंदिर जाने में संकोच करते थे, अब कह रहे हैं कि राम और कृष्ण हमारे हृदय में हैं। रामलीला मैदान में आयोजित भव्य समारोह में संबोधन के बाद मुख्यमंत्री ने कृष्णजन्म स्थान स्थित भागवत भवन में की पूजा-अर्चना भी की। उन्होंने ब्रज के विकास का संकल्प दोहराया और कहा कि ब्रज तीर्थ विकास परिषद संतों के सान्निध्य में है। उन्होंने कहा, ठआज त्योहारों पर बधाई देने के लिए होड़ लगी है। पहले आपके पर्व-त्योहारों में बधाई देने के लिए न तो कोई मुख्यमंत्री आता था और न ही कोई मंत्री। लोग डरते थे कि उन्हें सांप्रदायिक न मान लिया जाए। पर्व-त्योहारों में बंदिशे लगती थीं। अलर्ट जारी होता था कि रात 12 बजे बाद कोई भी कार्यक्रम नहीं करेंगे। अब तो ऐसी कोई बंदिश नहीं है, भगवान श्रीकृष्ण का जन्म ही रात में 12 बजे होता है। अब तो हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, ठआजादी के बाद रामनाथ कोविंद पहले राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन किए। इससे पहले सरकारों में बैठे लोगों को पूजा करने में भी सांप्रदायिकता का भय होता था। जो पहले मंदिर जाने में संकोच करते थे, अब कहते हैं राम और कृष्ण हमारे हृदय में हैं। पहले हिन्दू त्योहारों पर न बिजली होती थी न पानी, राजनीतिक परिवर्तन के बाद मिलने लगी।

योगी आदित्यनाथ शाम करीब 4:58 बजे श्री कृष्ण जन्मस्थान पहुंचे। उन्होंने पहले केशवदेव के दर्शन किए और इसके बाद गर्भगृह में पहुंचकर ठाकुरजी के दर्शन किए। इसके बाद वह भागवत भवन पहुंचे और पूजन-अर्चना किया। यहां पर पुजारी ने उन्हें पगड़ी पहनाई और प्रसाद भेंट किया। इससे पूर्व रामलीला मैदान में सभा में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक सभी देव विग्रहों की पूजा-दर्शन करने में भी पहले की सरकारों को सांप्रदायिक होने का भय लगता था लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत अंगड़ाई ले रहा है। एक-एक करके सैकड़ों वर्षों से दबी हुई भावनाएं और आस्था के केंद्र अपने नए रूप में सामने आ रहे हैं। कल वह राष्ट्रपति के साथ अयोध्या में थे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहले राष्ट्रपति अयोध्या पहुंचे, जिन्होंने रामलला के दर्शन किए। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने रामलला के दर्शन किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले आपके (हिंदुओं के) पर्व और त्योहार पर बधाई देने के लिए न कोई मुख्यमंत्री आता था, न मंत्री और न विधायक आता था। भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों को छोड़ दें तो शेष दलों के लोग दूर भागते थे। लोग डरते थे। हिंदू पर्व और त्योहारों में कोई नहीं आता था, सहभागी नहीं बनता था। पर्व और त्योहारों में बंदिशें अलग से रहती थीं। बिजली-पानी नहीं होते थे, सुरक्षा नहीं होती थी, सफाई नहीं रहती थी। अलर्ट जारी होता था कि रात 12 बजे के बाद आप कार्यक्रम नहीं करेंगे। रंगोत्सव का काय्रक्रम नहीं करेंगे। अब तो ऐसी बंदिश नहीं है, यह राजनीतिक परिवर्तन है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पांच हजार वर्ष पुराने ब्रज जैसे धरोहर पर हम सभी को गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। पूज्य संतों के आशीर्वाद से हम ब्रजपुरी में भौतिक विकास के साथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विकास पर भी पूरा ध्यान दे रहे हैं। इसी निमित्त संतों के नेतृत्व में ब्रज तीर्थ विकास परिषद का गठन किया गया है। यहां के सात धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थल घोषित किया है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज के ऐतिहासिक कुंभ के बाद ब्रज में संतों के आह्वान पर हुआ वैष्णव कुंभ भी सुव्यवस्था का नजीर बना। यह बांके बिहारी जी की क?पा ही थी कि वैष्णव कुंभ में कोरोना किसी का बाल भी बांका न कर सका। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना ने पिछले डेढ़ साल में देश-दुनिया मे काफी कोहराम मचाया। अपना देश प्रदेश भी प्रभावित हुआ। प्रदेश में इसकी दूसरी लहर पूरी तरह नियंत्रण में है लेकिन सावधानी और सतर्कता जरूरी है। उन्होंने कहा कि अब बांके बिहारी जी से प्रार्थना है कि जैसे उन्होंने कई राक्षसों का संहार किया, उसी तरह इस कोरोना महामारी रूपी राक्षस का संहार करें।



## श्रीनगर: लाल चौक में जन्माष्टमी की धूम, दो साल बाद निकली झांकी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से वहां काफी कुछ बदल गया है। आज श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कश्मीर के प्रसिद्ध लाल चौक पर कुछ अलग ही नजारा देखने को मिला। दो साल के अंतराल के बाद कश्मीरी पंडितों ने सोमवार को यहां भगवान कृष्ण का जन्मदिन मनाने के लिए जन्माष्टमी जुलूस निकाला गया। इससे पहले यही लाल चौक स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगे की रंग-बिरंगी रोशनियों से नहाया हुआ था।

अधिकारियों ने बताया कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जुलूस शहर के हब्बा कदल इलाके के गणपतियार मंदिर से शुरू हुआ और बरबरशाह के क्रालखुद से होते हुए ऐतिहासिक लाल चौक स्थित घंटाघर तक पहुंचा। उन्होंने कहा कि जुलूस अमीरकदल पुल को पार कर जहांगीर चौक से गुजरा और मंदिर लौट आया।

पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित भक्तों ने रथ के साथ नृत्य किया और लोगों के बीच मिठाई बांटी। श्रद्धालुओं में से एक वरिष्ठ नागरिक ने कहा कि दो साल बाद उन्हें श्रीनगर में जन्माष्टमी का जुलूस निकालने की अनुमति मिली। कोविड-19 के कारण 2020 में कोई जुलूस नहीं निकाला गया था, जबकि अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को निरस्त करने के मद्देनजर लगाए गए लॉकडाउन के कारण इस आयोजन को रद्द कर दिया गया था।

## जम्मू-कश्मीर: पुंछ में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना ने दो आतंकियों को किया ढेर



**जम्मू (एजेंसी)।** सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (थ्दण्) पर घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया है। एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा, सोमवार की तड़के नियंत्रण रेखा के पार से आतंकवादियों ने पुंछ सेक्टर में घुसपैठ करने का प्रयास किया। सर्विलांस के जरिए जवानों को अलर्ट मिला। अलर्ट मिलते ही जवान मुस्तैद हो गए और आतंकवादियों के साथ भारी गोलीबारी हुई, जिसमें सेना ने एक आतंकवादी को मार गिराया। सेना ने आतंकी का शव भी बरामद कर लिया है। आतंकी के पास से एक एके-47 राइफल भी बरामद हुआ है। इलाके में आतंकवादियों की उपस्थिति का पता लगने के बाद सेना की ओर से सर्च अभियान चलाया जा रहा है। तलाशी के दौरान एलओसी के पास एक और आतंकी का शव बरामद हुआ। इस तरह से सेना ने दोनों आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया। बता दें कि इस साल जून से राजौरी और पुंछ जिलों में नियंत्रण रेखा के पास से घुसपैठ की कोशिशों में तेजी आई है। इसके बाद से राजौरी जिले में चार एनकाउंटर हो चुके हैं। 10 अगस्त को, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने कहा कि 25 फरवरी को दो डीजीएमओ के बीच नए सिरे से हुए समझौते के बाद, जम्मू और कश्मीर में घुसपैठ फिर से शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि सीमा पर आतंकवादी शिविर अभी भी हैं।

### गिरीश चोडानकर बने रहेंगे गोवा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस ने अगले साल होने वाले गोवा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गिरीश चोडानकर को सोमवार को अपनी प्रदेश इकाई का अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री दिगम्बर कामत को विधायक दल का नेता बनाए रखने का फैसला किया और साथ ही, राज्य के पूर्व उर्जा मंत्री एलेक्सो सिक्वेरा को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके साथ ही, पार्टी ने चुनाव से संबंधित पांच समितियों का भी गठन किया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से सोमवार को जारी एक बयान के मुताबिक, पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने चोडानकर को गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष और कामत को विधायक दल का नेता बनाये रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

## छत्तीसगढ़, पंजाब के बाद केरल कांग्रेस में रार, राहुल को खत लिख उठाया सवाल तो हुए बाहर



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस के लिए समस्याएं खत्म नहीं हो रही हैं। अभी वह पंजाब और छत्तीसगढ़ में विवाद को सुलझा नहीं पाई है कि केरल में भी कांग्रेस को कुछ ऐसी ही चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। केरल में कांग्रेस सेक्रेट्री पीएस पारसनाथ को पार्टी से बाहर निकाल दिया गया है। उनके ऊपर आरोप हैं कि वह कांग्रेस हाई कमान को चुनौती दे रहे थे और गलत आरोप लगा रहे थे। केरल में कांग्रेस पार्टी चीफ के सुधाकरन ने यह बातें कहीं हैं। पारसनाथ ने अपने लेटर में पार्टी के जनरल सेक्रेट्री केसी वेणुगोपाल पर सवाल उठाए थे। गौरतलब है कि पीएस पारसनाथ ने राहुल गांधी को चिट्ठी लिखी थी, जिसमें उन्होंने ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी जनरल सेक्रेटी केसी वेणुगोपाल पर आरोप लगाए थे। इस चिट्ठी में पारसनाथ ने लिखा था कि जबसे वेणुगोपाल ने चार्ज संभाला है पार्टी में बिखराव नजर आने लगा है। पारसनाथ ने आगे लिखा है कि सिर्फ केरल में ही नहीं, गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और छत्तीसगढ़ समेत तमाम जगहों पर पार्टी के लिए मुश्किल बढ़ी है।

पारसनाथ सिर्फ इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने आगे लिखा है कि केरल में कांग्रेस के कार्यकर्ता बिल्कुल कंफ्यूज हैं। वह समझ नहीं पा रहे हैं कि कहीं केसी वेणुगोपाल भाजपा के साथ मिलीभगत करके प्रदेश में पार्टी को धराशाई तो नहीं करना चाहते हैं। उनका यह पत्र सामने आने के बाद से ही तमाम तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं। इसके बाद शाम होते-होते पारसनाथ के पार्टी से बाहर निकालने का आदेश आ गया। गौरतलब है कि हाल-फिलहाल कांग्रेस पार्टी में लगातार घमासान हो रहा है। विभिन्न राज्यों में पार्टी के अंदर गुटबाजी और विवाद सामने आ रहा है और उसके लिए हालत बहुत मुश्किल हो गई है। पहले राजस्थान में गहलोत और पायलट गुट के बीच किसी तरह सुलह हुई। इसके बाद पंजाब में सिद्धू और कैप्टन के बीच आए दिन तलवार खिंची हुई है। वहीं छत्तीसगढ़ में भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और टीएस देव के बीच सबकुछ अच्छा नहीं चल रहा है। इन सबके बीच केरल में इस तरह का विवाद सामने आना पार्टी के लिए नई चुनौती बन सकता है।

## सुकेश चंद्रशेखर मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के बाद जैकलीन फर्नांडिस का बयान दर्ज



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस का बयान दर्ज किया है। आधाकारिक सूत्रों ने बताया कि 200 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी और फिरौती के आरोपी सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े केस में दिल्ली में चार घंटे तक जैकलीन फर्नांडिस से पूछताछ करने के बाद प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (इर्श्थ्) के तहत गवाह के रूप में उनका बयान दर्ज किया गया। ईडी ने पिछले सप्ताह सुकेश चंद्रशेखर के ठिकानों पर रेड मारने के बाद चेन्नई में समुद्र तट के करीब स्थित एक आलीशान बंगला, 82.5 लाख रुपये नकद, दो किलो सोना, 16 शानदार कारें और अन्य महंगे सामान जब्त किए थे। सुकेश चंद्रशेखर निर्वाचन आयोग (ण्ं) रिश्वत मामले के साथ-साथ दिल्ली के एक कारोबारी से केस सेटल कराने के एवज में करोड़ों रुपये ऐंठने के आरोप में जेल में बंद है। वर्ष 2017 में दिल्ली पुलिस ने सुकेश चंद्रशेखर को एआईएडीएमके के नेता टी टी वी दिनाकरण को उनके गुट को दो पत्तों वाला चुनाव चिह्न दिलाने के लिए रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था। रोहिणी जेल में बंद सुकेश को इस साल 8 अगस्त को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कारोबारी से 50 करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में गिरफ्तार किया था। रोहिणी जेल में छापे के दौरान दिल्ली पुलिस को उसके बैरेक 2 मोबाइल फोन भी मिले थे। वह खुद को एक बड़ा सरकारी अधिकारी बताकर कारोबारी के खिलाफ शुरू हुई एक जांच को सेटल कराने की बात करके पैसा ऐंठ रहा था। बाद में मनी ट्रेल का पता लगाने के लिए मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा (ईं) को सौंप दी गई थी। ईं की एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया गया था।

### आदिवासी युवक की पिटाई को लेकर केंद्र पर बरसे राहुल गांधी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश में एक आदिवासी युवक की पिटाई और वाहन में बांधकर घसीटे जाने की घटना तथा देश के कुछ अन्य हिस्सों में भीड़ द्वारा लोगों की पिटाई से संबंधित कुछ अन्य घटनाओं को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने सवाल किया कि क्या संविधान के अनुच्छेद 15 और 25 भी बेच दिए। उन्होंने इन घटनाओं का उल्लेख करते हुए एक वीडियो साझा किया और ट्वीट किया, संविधान के अनुच्छेद 15 व 25 भी बेच दिए?

## असम में कांग्रेस का अजमल का आरएआईयूडीई और बीपीएफ से नाता तोड़ने का फैसला

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** असम में विपक्षी महागठबंधन का टूटना लगभग तय हो गया है क्योंकि प्रदेश कांग्रेस ने सोमवार को घोषणा की कि उसने बदरुद्दीन अजमल के नेतृत्व वाले एआईयूडीएफ और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के साथ संबंध तोड़ने का फैसला किया है। कांग्रेस प्रवक्ता बोबीता शर्मा ने संवाददाताओं से कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा की अध्यक्षता में हुई कोर कमेटी की एक बैठक में इस पर गौर किया गया कि एआईयूडीएफ का भाजपा के साथ व्यवहार और रवैये ने कांग्रेस के सदस्यों को चकित कर दिया है। उन्होंने कहा, एआईयूडीएफ नेतृत्व और वरिष्ठ सदस्यों द्वारा भाजपा और मुख्यमंत्री की निरंतर और रहस्यमय प्रशंसा ने कांग्रेस पार्टी के प्रति जनता की धारणा को प्रभावित किया है। शर्मा ने कहा कि एक लंबी चर्चा के बाद प्रदेश कांग्रेस की कोर कमेटी के सदस्यों ने सर्वसम्मति से फैसला किया कि एआईयूडीएफ अब महाजोत में भागीदार नहीं रह सकती और इसी के अनुरूप अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) को सूचित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बीपीएफ के साथ गठबंधन पर भी चर्चा हुई क्योंकि इसका नेतृत्व विभिन्न मंचों पर महागठबंधन का हिस्सा बने रहने को लेकर अनिच्छा व्यक्त कर रहा है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को इस मामले में फैसला लेने का पूरा अधिकार दिया गया और पार्टी से नाता तोड़ने के फैसले की जानकारी आलाकमान को देने का फैसला किया गया।

उन्होंने कहा कि बैठक में प्रदेश अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्षों और आगामी उपचुनावों के लिए गठित विधानसभा समितियों के अध्यक्ष को चुनाव रणनीति और उम्मीदवारों के चयन पर निर्णय लेने के लिए पूर्ण अधिकार देने के पहले के निर्णय का भी अनुमोदन किया गया। राज्य में इस साल के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के नेतृत्व में 10-पार्टी महागठबंधन या महाजोत का गठन किया गया था। कांग्रेस, एआईयूडीएफ और बीपीएफ के अलावा इसमें जिमोचायन (देवरी) पीपुल्स पार्टी (जेडीपीपी), आदिवासी नेशनल पार्टी (एएनपी), माकपा, भाकपा, भाकपा (माले), अंचलिक गण मोर्चा और राजद शामिल थे।

**अंखड भारत संदेश** के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

**मुद्रक/प्रकाशक**

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

आरएनआई नं.
UPHIN 2001/9025

## विरोध करने वाली पत्रकार की तलाश में जुटा तालिबान, घर पहुंचने पर बेड में छिपकर बचाई जान



**काबुल (एजेंसी)।** तालिबानी आंतकी समूह के सदस्य पत्रकार और वुमन राइट एक्टिविस्ट सायरा सलीम की तलाश कर रहे हैं। सायरा सलीम जो कि तालिबान उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई थी। सलीम ने बताया कि चार दिन पहले रात में तालिबान के छह सदस्य उसके घर आए थे और दरवाजा खटखटाया था। सलीम ने कहा कि तालिबानी लड़ाकों को देखने के बाद वह अपने बिस्तर के नीचे छिप गई थीं। जिसके बाद लड़ाकों ने उनके पिता से उसके ठिकाने के बारे में पूछताछ की। पिता ने लड़ाकों को बताया कि उनकी बेटी घर पर नहीं है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक लड़ाके अपनी कार में तालिबान के झंडे के साथ घर के सामने पहुंचे। वहां पहुंचने के बाद पूछा किया मुझे अपनी जान गंवाने का डर है। सलीम ने कहा, तालिबान लड़ाकों ने उनके पिता से कहा कि वापस आने पर हमें उसे देखना चाहिए। सलीम ने कहा कि मुझे डर है कि अगर मैं घर से बाहर भी निकलती हूं तो तालिबान मुझे पहचान लेगा। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जा जमाने के बाद से सलीम घर से बाहर नहीं निकली हैं। सलीम के साथ-साथ विशेषज्ञों का मानना है कि आतंकवादी समूह के शासन में अफगान महिलाओं को अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले, एक सुरक्षा और आतंकवाद विश्लेषक सज्जन गोहेल ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि महिलाएं तालिबान से डरी हुई हैं। उन्होंने कहा कि मैंने जिन अफगान महिलाओं से बात की है, यह अविश्वसनीय रूप से बहुत दर्दनाक है। वो पीढ़ी जो तालिबान को सिर्फ किताबों में पढ़ती है। अब उन्हें एक महिला विरोधी पंथ के आस-पास रहना पड़ रहा है।

## इस्लामिक स्टेट ने ली काबुल एयरपोर्ट पर रॉकेट हमले की जिम्मेदारी, अमेरिका बोला- अपनी बात पर खरा उतरे तालिबान



**काबुल वॉशिंगटन (एजेंसी)।** काबुल एयरपोर्ट के पास सोमवार को हुए रॉकेट हमले की जिम्मेदारी खूंखार आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने ली है। इससे पहले भी इस्लामिक स्टेट ने एयरपोर्ट पर हजारों की भीड़ के बीच आत्मघाती हमला कराया था, जिसमें सौ से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। इनमें 13 अमेरिकी सैनिक भी शामिल थे। तब से अब तक यह दूसरा बड़ा अटैक है, जिसकी जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। इस्लामिक स्टेट से जुड़े नाशेर न्यूज ने टेलीग्राम चैनल पर हमले की जिम्मेदारी ली है। आतंकी समूह का कहना है कि खिलाफत के लड़ाकों ने 6 रॉकेट्स के जरिए काबुल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अटैक किया था। अमेरिकी एंटी मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने इनमें से 5 रॉकेट्स को इंटरसेप्ट किया था। इस बीच तालिबान का कहना है कि अमेरिकी सैनिकों की अफगानिस्तान से पूरी तरह वापसी होने के साथ ही देश में इस्लामिक स्टेट के हमले रुक जाएंगे। वहीं अमेरिका ने इसे लेकर तालिबान पर निशाना साधा है। अमेरिका का कहना है कि तालिबान को अपनी प्रतिबद्धता का पालन करना चाहिए। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने सोमवार को कहा कि वॉशिंगटन यह उम्मीद करता है कि तालिबान अपनी ओर से किए गए वादों पर खरा उतरेगा। अमेरिकी प्रवक्ता का यह बयान तालिबान के उस बयान के बाद सामने आया है, जिसमें उसने कहा था कि हम चाहते हैं कि काबुल में अमेरिका की राजनयिक उपस्थिति बनी रहे। इस पर नेड प्राइस ने कहा, हमने तालिबान की ओर से कई बयान सुने हैं।